PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 048
दि. 17.06.2026,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

उत्तर प्रदेश में शुरू होगा 'कैच-अप शिक्षण अभियान', लर्निंग गैप दूर करने के लिए योगी सरकार की नई पहल

सरकार का फोकस अब उन विद्यार्थियों तक पहुंचने पर है, जो किसी कारणवश अपेक्षित अधिगम स्तर से पीछे रह गए हैं. विद्यार्थियों के लिए 15 दिवसीय कार्यक्रम संचालित किया जाएगा.

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार शिक्षा सुधार के अगले चरण में प्रवेश करते हुए अब बच्चों के सीखने के अंतराल (लर्निंग गैप) को समाप्त करने के लिए प्रदेशव्यापी 'कैच-अप शिक्षण अभियान' शुरू करने जा रही है. निपुण भारत मिशन के माध्यम से आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान को मजबूत करने के बाद सरकार का फोकस अब उन विद्यार्थियों तक पहुंचने पर है, जो किसी कारणवश अपेक्षित अधिगम स्तर से पीछे रह गए हैं.

इसी उद्देश्य से जुलाई 2026 में सभी विद्यार्थियों के लिए 15 दिवसीय पुनरावृत्ति शिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जाएगा, जबकि अगस्त 2026 से जनवरी 2027 तक विद्यालयों में प्रतिदिन 20 से 30 मिनट का विशेष कैच-अप शिक्षण सत्र आयोजित होगा.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और एनसीएफएसई-2023 की भावना के अनुरूप तैयार की गई इस कार्ययोजना का उद्देश्य प्रत्येक विद्यार्थी को उसकी सीखने की आवश्यकता के अनुसार

शैक्षणिक सहयोग उपलब्ध कराना है. योगी सरकार का मानना है कि यदि समय रहते अधिगम अंतराल को दूर नहीं किया गया तो बच्चों की आगे की शैक्षणिक प्रगति प्रभावित हो सकती है. इसलिए विद्यालय स्तर पर सुनियोजित, व्यवस्थित और परिणामोन्मुखी रणनीति लागू की जा रही है.

अधिगम परिणामों पर केंद्रित शिक्षा सुधार का नया चरण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में शिक्षा सुधार अब नामांकन और आधारभूत सुविधाओं के साथ-साथ बच्चों के वास्तविक अधिगम परिणामों पर केंद्रित हो चुका है. निपुण भारत मिशन, शिक्षक प्रशिक्षण, डिजिटल अनुश्रवण और अब कैच-अप शिक्षण अभियान के माध्यम से सरकार यह सुनिश्चित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है कि कोई भी बच्चा सीखने की दौड़ में पीछे न रह जाए. यह पहल गुणवत्तापूर्ण, समावेशी और परिणामोन्मुखी शिक्षा व्यवस्था के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी.

अनुभव आधारित और रुचिकर होगा शिक्षण

कैच-अप शिक्षण को केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रखते हुए स्थानीय परिवेश, दैनिक जीवन के अनुभवों और गतिविधि आधारित शिक्षण से जोड़ा जाएगा. शिक्षण-अधिगम सामग्री (टीएलएम), गणित किट, पुस्तकालय पुस्तकों, चार्ट, पोस्टर और स्थानीय संसाधनों का उपयोग किया जाएगा. खेल आधारित गतिविधियों, कहानी, चित्र, लेखन, समूह कार्य तथा सहभागितापूर्ण शिक्षण के माध्यम से बच्चों की सीखने में रुचि बढ़ाई जाएगी.

त्रुटि विश्लेषण और पीयर लर्निंग पर रहेगा जोर

कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों की कठिनाइयों की पहचान कर उनका समाधान किया जाएगा. त्रुटि विश्लेषण के माध्यम से यह समझा जाएगा कि बच्चे कहां और क्यों पिछड़ रहे हैं. 'मैं करूं-हम करें-तुम करो' रणनीति, पीयर लर्निंग, पेयर लर्निंग और कोऑपरेटिव लर्निंग जैसी पद्धतियों का उपयोग कर बच्चों में आत्मविश्वास, सहयोग और समस्या समाधान क्षमता विकसित की जाएगी. साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी विद्यार्थी स्वयं को कमजोर या उपेक्षित महसूस न करे.

आकलन, अनुश्रवण और अभिभावक सहभागिता बनेगी सफलता की कुंजी

कार्यक्रम को परिणाममुखी बनाने के लिए विद्यार्थियों का बेसलाइन और एंडलाइन आकलन किया जाएगा तथा उनकी प्रगति का नियमित अभिलेखीकरण किया जाएगा. एआरपी, एसआरजी, डायट मेंटर और खंड शिक्षा अधिकारी समय-समय पर कार्यक्रम की समीक्षा करेंगे. वहीं विद्यालय प्रबंधन समिति और अभिभावकों को भी इस अभियान से जोड़ा जाएगा, ताकि बच्चों को विद्यालय और घर दोनों स्थानों पर सीखने के लिए अनुकूल वातावरण मिल सके.

'मेरी गोद में आते ही बच्चे मुस्कुराने लगते हैं...' सीएम योगी ने सुनाया दिल छू लेने वाला किस्सा

(जीएनएस)।

लखनऊ में आयोजित डी-3 त्रिवेणी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बच्चों के प्रति अपने विशेष लगाव का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी गोद में आते ही बच्चे सुरक्षित महसूस करते हैं और मुस्कुराने लगते हैं. सीएम ने कहा कि कई बार तो बच्चे अपने माता-पिता की गोद में रोते रहते हैं लेकिन मेरे पास आते ही मुस्कुराने लगते हैं.

यूपी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने सख्त प्रशासनिक फैसलों और माफिया के खिलाफ कार्रवाई को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं. लेकिन लखनऊ में आयोजित डी-3 त्रिवेणी कार्यक्रम में उनका एक अलग ही रूप देखने को मिला. मंच पर मौजूद मुख्यमंत्री ने बच्चों के प्रति अपने लगाव का जिक्र किया तो सभागार में मौजूद लोग मुस्कुरा उठे.

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब भी वह किसी गांव, कस्बे या सार्वजनिक कार्यक्रम में जाते हैं तो वहां कई माताएं अपने छोटे बच्चों को लेकर खड़ी रहती हैं. उनका उद्देश्य बच्चों का अन्नप्राशन कराना होता है. योगी ने कहा कि उन्हें बच्चों का अन्नप्राशन कराना बेहद अच्छा लगता है. उन्होंने मुस्कुराते हुए एक दिलचस्प अनुभव साझा किया. मुख्यमंत्री ने कहा, कई बार ऐसा होता है कि बच्चा अपने माता-पिता, दादा या दादी की गोद में लगातार रो रहा होता है. लेकिन जैसे ही वह मेरी गोद में आता है, उसका रोना बंद हो जाता है और वह मुस्कुराने लगता है.

'बच्चे को लगता है कि वह सुरक्षित है'

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि बच्चे बेहद निष्कपट होते हैं और उनकी भावनाएं भी पूरी तरह स्वाभाविक होती हैं. उन्होंने कहा कि जब कोई बच्चा उनकी गोद में आता है तो उसे सुरक्षा का एहसास होता है. योगी आदित्यनाथ ने कहा, बच्चे के मन में यह भाव आता है कि वह पूरी तरह सुरक्षित है. शायद यही कारण है कि वह रोना छोड़ देता है और सहज हो जाता है.

भावनाओं से सीधे कानून-व्यवस्था पर पहुंचे योगी

बच्चों की बात करते-करते मुख्यमंत्री अचानक प्रशासनिक व्यवस्था और अपराध के मुद्दे पर आ गए. उन्होंने कहा कि यदि उनसे पूछा जाए कि उनका सबसे प्रिय विषय क्या है तो उनका जवाब बिल्कुल स्पष्ट है. योगी ने कहा, माफिया का सफाया करना मेरा सबसे प्रिय विषय है. मुख्यमंत्री के इस बयान पर सभागार में मौजूद लोगों ने जोरदार तालियां बजाईं.

जब डीजीपी लेकर पहुंचे माफिया कब्जे की फाइल

योगी आदित्यनाथ ने अपने कार्यकाल की एक घटना सुनाते हुए बताया कि एक बार उत्तर प्रदेश पुलिस के तत्कालीन डीजीपी उनसे मिलने पहुंचे. डीजीपी ने उन्हें जानकारी दी कि लखनऊ में पुलिस विभाग की एक महत्वपूर्ण जमीन पर माफिया का कब्जा है. वर्षों से उस जमीन पर अवैध कब्जा बना हुआ था और विभाग उसे खाली नहीं करा पा रहा था. मुख्यमंत्री ने बताया कि जैसे ही उन्होंने यह बात सुनी, उन्होंने तुरंत कहा, यह तो मेरा सबसे प्रिय विषय है.

एफआईआर हुई, अगले दिन पहुंच गया बुलडोजर

मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए. सबसे पहले संबंधित माफिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई. इसके बाद घटनाक्रम तेजी से आगे बढ़ा. योगी ने कहा कि एफआईआर दर्ज होने के अगले ही दिन प्रशासन ने बुलडोजर कार्रवाई शुरू कर दी. अवैध कब्जे को हटाने के लिए पूरी सरकारी मशीनरी सक्रिय हो गई. कुछ ही समय में वह जमीन माफिया के कब्जे से मुक्त करा ली गई. मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की मंशा साफ हो तो कानून का राज स्थापित करने में देर नहीं लगती.

जहां कब्जा था, वहां बना फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट

योगी आदित्यनाथ ने बताया कि जमीन खाली कराने के बाद सरकार ने उसे यूं ही नहीं छोड़ा. उन्होंने कहा कि उसी जमीन पर बाद में फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट का निर्माण कराया गया. मुख्यमंत्री के अनुसार यह सिर्फ अवैध कब्जा हटाने की कार्रवाई नहीं थी, बल्कि एक सकारात्मक बदलाव का उदाहरण भी था. जिस जमीन पर कभी माफिया का कब्जा था, वहां आज कानून व्यवस्था और वैज्ञानिक जांच से जुड़ा महत्वपूर्ण संस्थान खड़ा है.

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार अपराध और माफिया के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है. उन्होंने कहा कि कानून से ऊपर कोई नहीं है. चाहे वह कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, यदि उसने सरकारी जमीन पर कब्जा किया है या कानून तोड़ा है तो कार्रवाई तय है. योगी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश में अपराध के खिलाफ सख्त अभियान चलाया गया है और इसके सकारात्मक परिणाम भी दिखाई दिए हैं.

प्रधानमंत्री मोदी को स्लोवाकिया का सर्वोच्च सम्मान मिलना देश के लिए गर्व का क्षण: योगी आदित्यनाथ

(जीएनएस)।

लखनऊ, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को स्लोवाकिया के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान 'द ऑर्डर ऑफ द व्हाइट डबल क्रॉस (फर्स्ट क्लास)' से सम्मानित किए जाने को 140 करोड़ भारतीयों के लिए गर्व और सम्मान का क्षण बताया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार देर रात 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "स्लोवाकिया द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'द ऑर्डर ऑफ द व्हाइट डबल क्रॉस (फर्स्ट क्लास)' से सम्मानित किया जाना 140 करोड़ भारतीयों के लिए अत्यंत गर्व और सम्मान का क्षण है।"

उन्होंने कहा, "यह प्रतिष्ठित सम्मान भारत के प्रति बढ़ते वैश्विक सम्मान का प्रतीक है। साथ ही, यह अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को सुदृढ़ बनाने, साझा समृद्धि को बढ़ावा देने और देशों के बीच स्थायी मित्रतापूर्ण संबंध विकसित करने में प्रधानमंत्री के असाधारण योगदान को मान्यता देता है।"

मुख्यमंत्री ने कहा, "उनके (प्रधानमंत्री के) दूरदर्शी नेतृत्व में भारत वैश्विक मंच पर एक प्रभावशाली आवाज के रूप में उभर रहा है तथा दुनियाभर में प्रशंसा, विश्वास और सद्भावना अर्जित कर रहा है।"

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सोमवार को स्लोवाकिया के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान 'द ऑर्डर ऑफ द व्हाइट डबल क्रॉस (फर्स्ट क्लास)' से सम्मानित किया गया।

स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी ने ब्रातिस्लावा में आयोजित एक समारोह में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया।

'अपराधियों को बिहार छोड़ना होगा, नहीं तो श्मशान जाएंगे', योगी आदित्यनाथ की राह पर सम्राट चौधरी का ऐलान

(जीएनएस)।

सिवानः बिहार में अपराध को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की राह पकड़ ली है। सीएम सम्राट चौधरी ने सिवान में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपराधियों को चेतावनी दे दी। सम्राट चौधरी ने कहा कि अपराधी अपराध करना छोड़ दें। नहीं तो अपराधियों को बिहार छोड़ना होगा। और जो अपराधी ऐसा नहीं करेगा उसे फिर श्मशान जाना पड़ेगा।

सीएम सम्राट चौधरी ने अपराधियों को सख्त चेतावनी दी हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी जाति या धर्म का अपराधी हो उसे बिहार छोड़ना होगा। अगर बिहार नहीं छोड़ेगा तो शमशान जाने के लिए तैयार रहे। क्योंकि अब उन्हें कहीं पनाह मिलने वाली नहीं है। एक तरफ बाबा हैं और दूसरे तरफ शुभेंदु आ गए हैं। भाग कर अब कहां जाओगे।

इसके पहले मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मंगलवार को सिवान जिले के पचरुखी प्रखंड के पपौर गांव पहुंचे। यहां जिला प्रशासन और एनडीए के नेताओं ने सीएम का स्वागत किया। समारोह में दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने जिले को करीब 415 करोड़ रुपये से अधिक की विकास योजनाओं की सौगात दी है।

सहयोग शिविर में आमलोगों को कोई परेशानी न हो इसको लेकर मुख्यमंत्री ने जमीनी हकीकत को जानने की कोशिश की। उन्होंने अलग अलग योजना के लाभुकों से बातचीत कर फीडबैक लिया।

चढ़ावा प्रकरण की जांच के बीच 19 जून को अयोध्या आएंगे मुख्यमंत्री योगी

अयोध्या। राम मंदिर में चढ़ावा और दानराशि से जुड़े कथित अनियमितता प्रकरण की जांच के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के

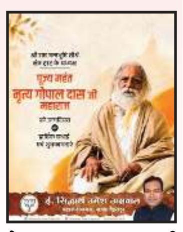

19 जून को अयोध्या आगमन की संभावना जताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास के जन्मदिवस कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि जन्मदिवस के अवसर पर अयोध्या में धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन प्रस्तावित है, जिसमें संत-धमार्चार्यों के साथ विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोगों की उपस्थिति रहेगी।

सेना के पहरे में नीट यूजी एग्जाम, पेपर से लेकर आंसर-शीट तक की आर्मी करेगी निगरानी

(जीएनएस)।

देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी री-एग्जाम को लेकर इस बार सुरक्षा व्यवस्था पहले से कहीं ज्यादा सख्त कर दी गई है। सरकार और परीक्षा एजेंसियां किसी भी तरह की लापरवाही या गड़बड़ी की संभावना को खत्म करने के लिए कई स्तरों पर तैयारियां कर रही हैं। सिर्फ प्रश्न पत्र ही नहीं, बल्कि परीक्षा के बाद उम्मीदवारों की उत्तर पुस्तिकाओं को भी विशेष सुरक्षा घेरे में रखा जाएगा।

इसके लिए भारतीय वायुसेना और अर्द्धसैनिक बलों की मदद ली जा रही है। परीक्षा सामग्री की पैकिंग, परिवहन और मूल्यांकन तक हर चरण की निगरानी की जाएगी। सूत्रों का कहना है कि इस बार पूरी प्रक्रिया को इतना मजबूत बनाया गया है कि पेपर लीक, छेड़छाड़ या किसी भी प्रकार की अनियमितता की गुंजाइश लगभग खत्म हो जाए।

जानकारी के अनुसार परीक्षा समाप्त होने के बाद सभी उत्तर पुस्तिकाओं को निर्धारित नियमों के तहत पैक किया जाएगा। केंद्र अधीक्षक और ड्यूटी पर मौजूद अधिकारी अलग-अलग चरणों में सीलिंग की प्रक्रिया पूरी करेंगे ताकि किसी भी स्तर पर पारदर्शिता बनी रहे। इसके बाद आंसर शीट्स को स्टील के मजबूत बॉक्स में रखा जाएगा। बॉक्स को दोबारा सील किया जाएगा और कड़ी सुरक्षा के बीच उन्हें संबंधित लॉजिस्टिक केंद्रों तक पहुंचाया जाएगा।

सूत्रों के मुताबिक लॉजिस्टिक सेंटर पहुंचने के बाद विशेष सुरक्षा टीम इन बॉक्सों को दिल्ली भेजने की जिम्मेदारी संभालेगी। इसके लिए हवाई और सड़क दोनों मार्गों का इस्तेमाल किया जाएगा। बारिश के मौसम को देखते हुए इस बार पैकिंग व्यवस्था में भी बदलाव किया गया है। स्टील बॉक्स इस तरह तैयार किए गए हैं कि पानी या खराब मौसम की स्थिति में भी अंदर रखे दस्तावेज सुरक्षित बने रहें।

योगी सरकार की योजनाएं महिलाओं के लिए बनीं वरदान, एनसीआरबी आंकड़ों में घटे अपराध

(जीएनएस)।

वर्ष 2014 में केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार बनने और वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार के गठन के बाद प्रदेश में विकास की नई धारा देखने को मिली. इस परिवर्तन का सबसे बड़ा लाभ यदि किसी वर्ग को मिला है तो वह प्रदेश की महिलाएं हैं. केंद्र और राज्य सरकार की समन्वित नीतियों ने महिला सुरक्षा, सम्मान, स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में एक नया अध्याय लिखा है. केंद्र की योजनाओं और राज्य सरकार के प्रभावी क्रियान्वयन ने लाखों महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है.

प्रदेश में महिलाओं के लिए सुरक्षा, सम्मान और अवसरों का वातावरण आज उत्तर प्रदेश में महिलाओं के लिए सुरक्षा, सम्मान और अवसरों का वातावरण पहले की तुलना में कहीं अधिक मजबूत दिखाई देता है.

उज्ज्वला योजना, मिशन शक्ति, स्वयं सहायता समूह, लखपति दीदी, कन्या सुमंगला योजना जैसी पहलों ने महिलाओं को न केवल सामाजिक रूप से सशक्त बनाया है, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी प्रदान किया है.

महिला सशक्तीकरण की पहली शर्त सुरक्षा है, महिलाओं को सुरक्षित वातावरण नहीं मिलेगा तो शिक्षा, रोजगार और स्वावलंबन के अवसर भी सीमित रह जाएंगे. योगी सरकार ने सत्ता संभालने के बाद महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी. प्रदेश में एंटी रोमियो स्क्वॉड का गठन किया गया, महिला हेल्पलाइन 1090 को मजबूत किया गया, महिला डेस्क की स्थापना की गई तथा मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से व्यापक जनजागरूकता पैदा की गई.

महिला सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए पुलिस भर्ती में महिलाओं को 20 प्रतिशत आरक्षण दिया गया. इसका परिणाम यह हुआ कि प्रदेश में महिला पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़कर 44 हजार से अधिक हो गई।

फ्रांस में पीएम मोदी की मेगा डिप्लोमेसी, कनाडा-ब्रिटेन समेत 7 देशों के राष्ट्रध्यक्षों से खास मुलाकात

फ्रांस के एवियन में आयोजित जी7 समिट के दौरान प्रधानमंत्री पीएम मोदी ने दुनिया के कई बड़े नेताओं से मुलाकात कर भारत के वैश्विक रिश्तों को और मजबूत करने की दिशा में अहम बातचीत की। कनाडा, यूएई, ब्रिटेन, जापान, मिस्र, केन्या और दक्षिण कोरिया के नेताओं के साथ हुई बैठकों में व्यापार, निवेश, टेक्नोलॉजी, रणनीतिक सहयोग और लोगों के बीच संबंधों को बढ़ाने पर चर्चा हुई।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत सभी साझेदार देशों के साथ आपसी भरोसे और साझा विकास के आधार पर रिश्तों को नई ऊंचाई देने के लिए प्रतिबद्ध है।

पीएम मोदी ने कनाडा के प्रधानमंत्री टं१' उं१ल्लीट८ से मुलाकात की। दोनों नेताओं की एक साल से भी कम समय में यह चौथी बैठक रही।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी
JioTV
CHENNAL NO. 2063
Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK
देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

शाम को आईपीएस, सुबह जेल! लखनऊ से गिरफ्तार फ्रॉड मिथिलेश शुक्ला की कहानी; बिना पैसे दिए चाय-बन खाकर दिखा रहा था हेकड़ी

(जीएनएस)।

लखनऊ में चाय के पैसे के विवाद पर असली पुलिसकर्मियों से सैल्यूट मांगकर रौब झाड़ने वाले फर्जी आईपीएस मिथिलेश शुक्ला को जेल भेज दिया गया है. आरोपी मूल रूप से नोएडा की सैमसंग कंपनी का कर्मचारी है. पुलिस ने सरकारी कार्य में बाधा डालने और धमकाने के आरोप में यह कार्रवाई की है.

यूपी की राजधानी लखनऊ से गिरफ्तार किए गए फर्जी आईपीएस मिथलेश शुक्ला को जेल भेज दिया गया है. मिथिलेश ने अधिकारी बनकर पुलिसवालों के साथ फजीर्वाड़ा करने की कोशिश की थी. उसने दारोगा-सिपाही के सामने पहले तो हेकड़ी दिखाई कि वो नोएडा में पोस्टेड है, लेकिन बाद में पुलिस की सख्ती के आगे उसकी एक न चली. जिसके बाद पुलिसकर्मी उसे अपने साथ लेकर महानगर थाना गए. फिर वहां से कोर्ट में पेश करने के बाद उसे सलाखों के पीछे भेज दिया.

आपको बता दें कि लखनऊ के

महानगर थाना क्षेत्र से जालसाजी और धौंस जमाने का एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां पुलिस ने एक ऐसे शातिर शख्स को दबोचा है, जो खुद को फर्जी आईपीएस (IPS) अधिकारी बताकर असली पुलिसकर्मियों पर ही रौब झाड़ रहा था.

पुलिस के मुताबिक, घटना 13 जून 2026 की रात की है. महानगर के गोल मार्केट चौराहे पर एक चाय की दुकान पर आरोपी का दुकानदार वीरू गुप्ता से पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद हो गया था. सूचना मिलते ही जब हल्का प्रभारी उपनिरीक्षक आर्यन शर्मा अपनी टीम और सरकारी बुलेरो जीप के साथ मौके पर पहुंचे, तो आरोपी पुलिस टीम पर ही भड़क गया.

असली पुलिसवालों से मांगा सैल्यूट

जब पुलिस ने उससे नाम-पता पूछा, तो उसने धमकाते हुए कहा, "मैं आईपीएस नोएडा हूं, तुम लोगों की कैप कहां है? तुम लोगों ने मुझे सैल्यूट क्यों नहीं किया?" पुलिसकर्मियों को जब उसके हाव-भाव पर शक हुआ और उन्होंने आई-कार्ड मांगा, तो उसने बहाना बनाया कि कार्ड अभी पास नहीं है, कल सुबह दिखाएगा.

सख्ती बरतने पर खुली पोल

कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी की सारी हेकड़ी धरी की धरी रह गई. उसकी पहचान मिथिलेश शुक्ला (पुत्र स्व. राम बरन शुक्ला, निवासी मड़ियांव, लखनऊ) के रूप में हुई. उसने कबूल किया कि वह नोएडा के सेक्टर-18 में सैमसंग कंपनी में जॉब करता है. खुद को फर्जी आईपीएस बताकर सरकारी कार्य में बाधा डालने और पुलिस को धमकाने के आरोप में पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है.

लखनऊ ऐशबाग स्टेशन पर राप्तीसागर एक्सप्रेस में बम की अफवाह, डेढ़ घंटे तक छावनी बना रहा रेलवे स्टेशन

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के ऐशबाग रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब वहां पहुंची ट्रेन संख्या 12512 राप्तीसागर एक्सप्रेस में बम होने की खबर मिली. इस सूचना के बाद स्टेशन परिसर और ट्रेन के भीतर करीब डेढ़ घंटे तक अफरा-तफरी और भारी तनाव का माहौल बना रहा.

जैसे ही बम होने की यह सूचना रेलवे के आला अफसरों को मिली, तो प्रशासनिक अमले में भी हड़कंप मच गया. अधिकारियों ने बिना वक्त गंवाए आनन-फानन में इस गंभीर मामले की जानकारी राजकीय रेलवे पुलिस को दी.

आउटर पर उतरे चार युवकों ने फैलाई थी अफवाहः जीआरपी की शुरूआती जांच और पूछताछ में पता चला कि ट्रेन के ऐशबाग स्टेशन पहुंचने से ठीक पहले जब वह आउटर पर खड़ी थी, तब वहां चार अज्ञात युवक उतरे थे. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रेन से नीचे उतरते ही उन युवकों ने जोर-जोर से चिल्लाकर बोगी में बम होने की झूठी अफवाह फैला दी थी. इस शोर को सुनते ही ट्रेन के भीतर बैठे यात्रियों में अपनी जान बचाने के लिए भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई. इसके बाद सुरक्षा बलों ने करीब डेढ़ घंटे तक पूरी ट्रेन की बारीकी से जांच की. इसके बाद ट्रेन को रवाना कर दिया गया.

हेल्पलाइन नंबर पर मिली थी कोच र-2 में बम की खबरः जीआरपी इंस्पेक्टर धर्मवीर सिंह ने बताया कि रेलवे के आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर पर एक यात्री ने सूचना दी थी कि राप्तीसागर एक्सप्रेस के कोच एस-2 में बम रखा हुआ है. यह अलर्ट मिलने के कुछ ही मिनटों बाद ट्रेन ऐशबाग रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर आकर रुकी थी. हालांकि, ट्रेन के पहुंचने से पहले ही स्टेशन पर हाई अलर्ट घोषित कर पूरे परिसर को सुरक्षा घेरे में लेकर छावनी में तब्दील कर दिया गया था. स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर बम निरोधक दस्तेको भी तुरंत मौके पर बुला लिया था.

बोगी खाली कराकर की गई जांचः जैसे ही ट्रेन स्टेशन पर आकर रुकी, सुरक्षाकर्मियों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए कोच एस-2 के सभी यात्रियों को समझा-बुझाकर सुरक्षित नीचे उतारा. इसके बाद बम निरोधक दस्ते ने कोच एस-2 के साथ-साथ पूरी ट्रेन के एक-एक कोने और संदिग्ध सामान की बारीकी से मेटल डिटेक्टर से जांच की, लेकिन जांच में कोई भी विस्फोटक सामग्री नहीं मिली. इसके बाद जीआरपी ने उस मोबाइल नंबर पर कॉल बैक किया जिससे हेल्पलाइन पर सूचना दी गई थी, तो पता चला कि फोन करने वाला युवक देवरिया का रहने वाला जैकी साहनी है और वह उसी ट्रेन में सफर कर रहा था.

सीसीटीवी फुटेज से होगी आरोपियों की पहचानः हिरासत में लेकर की गई पूछताछ में जैकी ने बताया कि आउटर पर ट्रेन रुकने के दौरान चार युवकों ने नीचे उतरते समय बम होने की बात कही थी, जिससे डरकर उसने बोगी में लिखे आपातकालीन नंबर पर कॉल कर दी थी. जीआरपी इंस्पेक्टर धर्मवीर सिंह ने बताया कि युवक की नीयत साफ और बात सही लगने के बाद उसे देर शाम पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया. अब पुलिस जैकी द्वारा बताए गए समय और स्थान के आधार पर उन चारों शरारती तत्वों की सरगर्मी से तलाश कर रही है. इसके लिए राप्तीसागर एक्सप्रेस और स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि अफवाह फैलाने वालों को गिरफ्तार किया जा सके.

इकाना स्टेडियम में मैच के कारण आज बदला रहेगा यातायात, भारत और अफगानिस्तान के बीच होगा मुकाबला

भारत और अफगानिस्तान के बीच मुकाबले के कारण ट्रैफिक पुलिस ने सुबह नौ बजे से मैच की समाप्ति तक डायवर्जन प्लान लागू किया है। इमरजेंसी की स्थिति में एंबुलेंस, शव वाहन, फायर ब्रिगेड और स्कूली वाहनों को पुलिस निकलवाएगी।

(जीएनएस)।

इकाना स्टेडियम में बुधवार को भारत और अफगानिस्तान के बीच एक दिवसीय क्रिकेट मैच खेला जाएगा। इसके कारण स्टेडियम के आसपास यातायात में परिवर्तन किया गया है। ट्रैफिक पुलिस ने सुबह नौ बजे से मैच की समाप्ति तक डायवर्जन प्लान लागू किया है। इमरजेंसी की स्थिति में एंबुलेंस, शव वाहन, फायर ब्रिगेड और स्कूली वाहनों को पुलिस निकलवाएगी। अयोध्या रोड से सामान्य यातायात कमता तिराहे से शहीद पथ होकर सुल्तानपुर रोड, रायबरेली रोड व कानपुर रोड की तरफ नहीं जा सकेगा। यह कमता तिराहा, इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान चौराहा, समतामूलक चौराहा, लालबत्ती चौराहा, करियप्पा चौराहा, तेलीबाग चौराहा, बाराबिरवा चौराहा या इंदिरा नहर चौराहा से किसान पथ होकर जा सकेगा।

– शहीद पथ कानपुर रोड तिराहा से यातायात शहीद पथ होकर सुल्तानपुर रोड, रायबरेली रोड, अयोध्या रोड की तरफ नहीं जा सकेगा। यह बाराबिरवा चौराहा, बंगलाबाजार चौराहा, तेलीबाग चौराहा, करियप्पा चौराहा, लालबत्ती चौराहा, 1090 चौराहा या दरोगाखेड़ा किसान पथ होकर जाएगा।

कमता तिराहा अयोध्या रोड की तरफ नहीं जा सकेगा। यह तेलीबाग चौराहा, बाराबिरवा चौराहा, करियप्पा चौराहा या हरीकंशगढ़ी किसान पथ होकर जा सकेंगे।

– हुसड़िया अंडरपास चौराहा की तरफ से सामान्य यातायात अहिमामऊ

विज्ञापन

– गोसाईगंज कस्बा तिराहा सुल्तानपुर रोड से बड़े वाहन, बस, कमर्शियल वाहन गोसाईगंज कस्बा तिराहा या अमूल डेयरी कटिंग से अहिमामऊ की तरफ नहीं जा सकेगा। यह वाहन अमूल डेयरी कटिंग से बाएं वृंदावन योजना या कबीरपुर किसान पथ होकर जा सकेंगे।

– उतरेठिया अंडरपास चौराहा रायबरेली रोड, कैंट रोड से बड़े वाहन, बस, कमर्शियल वाहन उतरेठिया अंडरपास चौराहा से शहीद पथ पर चढ़कर अहिमामऊ चौराहा, चौराहा, शहीद पथ कानपुर रोड तिराहा की तरफ नहीं जा सकेगा। यह शहर क्षेत्र से होकर 1090 चौराहा के रास्ते जा सकेगा।

– लालबत्ती चौराहा की तरफ से बड़े वाहन, बस, कमर्शियल वाहन अहिमामऊ चौराहा, सुल्तानपुर रोड, रायबरेली रोड, कानपुर रोड की तरफ नहीं जा सकेंगे। ये लालबत्ती चौराहा से करियप्पा चौराहा, तेलीबाग या बंगलाबाजार चौराहा होकर जाएंगे।

– सुल्तानपुर रोड की तरफ से आने वाले सामान्य यातायात अमूल तिराहा से अहिमामऊ चौराहा की तरफ प्रतिबंधित रहेगा। यह अमूल तिराहे से ही डायवर्ट किया जाएगा, जो लुलु मॉल कट से शहीद पथ पर चढ़कर जाएगा। – सुल्तापुर रोड से पुलिस मुख्यालय की तरफ जाने वाले सामान्य यातायात एचसीएल तिराहे से प्लासियो तिराहा, पुलिस मुख्यालय की तरफ प्रतिबंधित रहेगा। यह अहिमामऊ चौराहे से दाहिनी तरफ टर्न लेकर जा सकेगा।

– कमता शहीद पथ तिराहा से कानपुर की तरफ जाने वाले सामान्य यातायात अहिमामऊ रैंप से नहीं उतर सकेंगे। ये शहीद पथ पर सीधा जा सकेंगे।

– कमता शहीद पथ तिराहा से अहिमामऊ चौराहे पर यू-टर्न लेकर कैंट, पुलिस मुख्यालय, गोमतीनगर जाने वाले सामान्य यातायात प्रतिंधित रहेंगे। ये शहीद पथ पर सीधा जाकर मेदांता हास्पिटल से यू-टर्न लेकर जाएंगे। – अहिमामऊ चौराहे से प्लासियो की तरफ यातायात पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगा। यह अहिमामऊ चौराहा, एचसीएल तिराहा, संस्कृत तिराहा से ओवरहेड गोल चक्कर चौराहा होकर जाएगा।

– सुल्तानपुर व अन्य मार्ग से आने व जाने वाले बड़े वाहन अहिमामऊ या अहिमामऊ चौराहे से सुल्तानपुर रोड की तरफ प्रतिबंधित रहेंगे। ये कबीरपुर तिराहे से किसान पथ होकर जाएंगे।

राम मंदिर चढ़ावा मामले में टिन्नू यादव की पत्नी बोलीं, 'अगर 50 करोड़ की संपत्ति होगी तो वो...'

(जीएनएस)।

अयोध्या में राम मंदिर में कथित चढ़ावा घोटाले में टिन्नू यादव पर आरोप लग रहे हैं. टिन्नू यादव अपने ऊपर लगे आरोपों को सिरे से खारिज कर चुके हैं. अब उनकी पत्नी पूनम यादव भी मीडिया के सामने आई हैं. उन्होंने सारे आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि ये सब फंसाने की साजिश है. उन्होंने सवाल किया क्या किसी के पास कोई ठोस सबूत है? बस बदनाम किया जा रहा है. पत्नी ने कहा कि 50 कमरे, लग्जरी गाड़ी और हॉस्टल ये सब बातें गलत हैं.

पूनम यादव ने कहा, "इनको बदनाम करने की साजिश है. इनको फंसाया जा रहा है. इनकी छवि को गंदा किया जा रहा है. 15 दिनों से हम लोग कितने तनाव में हैं. मानसिक तनाव दिया जा रहा है. मकान मेरा 2008 का खरीदा हुआ है, राम मंदिर पर फैसला आने से पहले. 2015 में बन गया है. जो मेरे पास है वो सब पारदर्शी है. कोई घोटाला नहीं किया है."

'32 सालों की सेवा पर बदनामी का दाग लगा है'

इस मामले में रक्क्ष के गठन पर उन्होंने कहा, "उम्मीद यही करते हैं कि जो सच्चाई है, जो इनकी 32 सालों की सेवा पर बदनामी का जो दाग लगा है उसको पाक साफ किया जाए. पहले हमें सच्चाई की जांच करनी चाहिए. किसी को परेशान करना, ये सब क्या है? वो व्यक्ति आज तक सेवा ही कर रहा है. अगर किसी के पास 50 करोड़ की संपत्ति होगी तो वो सुबह जाएगा और रात को 11 बजे आएगा, इतनी परिश्रम करने की क्या जरूरत होगी? मंदिर निर्माण के दौरान वो भोजन बनवाकर स्वयं मजदूरों को खिलवाते थे. ठंडी, गर्मी, बरसात हमेशा इन्होंने संघर्ष ही किया है.

सबकी जांच होनी चाहिए- पूनम यादव

पूनम यादव ने आगे कहा, "जांच करनी है करिए. जहां कहेंगे हम वहां चलेंगे. लेकिन और सारे लोग भी हैं. सबकी जांच होनी चाहिए. मैं बस ये चाहती हूं कि इनके ऊपर बदनामी के जो दाग लगे हैं उसकी निष्पक्ष जांच हो. वो पूरे देवता हैं, उतने अच्छे तो हम नहीं हैं. जिसको देखते हैं सिर झुकाकर प्रणाम करते हैं. इन्होंने आज तक कहीं कोई गलत काम नहीं किया. इनकी ईमानदारी को देखकर ही राम मंदिर में लगा दिया गया."

अगर बेईमानी करते तो आज

यहां टिके नहीं रहते- पूनम यादव

उन्होंने आगे कहा कि उनका न किसी से झगड़ा है न किसी से गलत संबंध है. हम दाल रोटी खाने वाले साधारण लोग हैं. जब 800-1200 रुपये तनख्वाह थी तभी से लगे हुए हैं. अगर बेईमानी करते तो आज तक यहां टिके रहते? ये बात लोगों को गौर करनी चाहिए.

कौन हैं टिन्नू यादव?

रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू चंपत राय के ड्राइवर हैं. इनके पास अयोध्या में करोड़ों की जमीन और संपत्ति होने की बात कही जा रही है. हालांकि अभी तक इस केस में कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है.लेकिन चढ़ावे की चोरी के आरोपों की तीन शिकायतें जरूर दर्ज हो चुकी हैं. अयोध्या थाने में कारसेवक संतोष दुबे ने शिकायत दी है. संतोष दूबे वो हैं जिन्होंने राम जन्मभूमि आंदोलन में गोलियां खाई थीं.

आरोप है कि राम मंदिर से 5 से साढ़े 7 करोड़ रुपए तक की चोरी की गई और ये चोरी लंबे वक्त की हो रही थी. सबूत मिटाने के लिए सीसीटीवी फुटेज तक डिलीट करवा दिये गये थे. इस पूरे केस में पूरा राममंदिर ट्रस्ट मैनेजमेंट संदेह के घेरे में है. लेकिन जिन चार किरदारों पर सबसे ज्यादा उंगलियां उठ रही हैं वो राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, मंदिर के व्यवस्थापक गोपाल राव, मंदिर ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्र और चंपत राय के ड्राइवर टिन्नू यादव, जिन्हें चंदा चोरी का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है.

लखनऊ से जेवर 60 मिनट में, एयरपोर्ट से बस तक पहुंचने में लगे 33 मिनट

(जीएनएस)।

नोएडा। जिले में ई-सिटी बसों का संचालन आनन-फानन में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक बेहतर कनेक्टिविटी और सुविधा के लिए हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्चुअल झंडी दिखाकर यह सेवा शुरू की। सोमवार को सुबह पहली फ्लाइट नोएडा एयरपोर्ट पहुंची।

1.5 किमी लगेज खींचकर बसों तक पहुंचे यात्री

टर्मिनल के बाहर यात्री निकले तो ई-सिटी बस नहीं मिली। कैब सुविधा भी यहां नहीं मिल सकी। यात्रियों के पूछने पर सिटी बस पहुंचने का रास्ता बताया गया। टर्मिनल बिल्डिंग से यात्रियों को सिटी बस के स्टाप तक पहुंचने में करीब 33 मिनट लगे।

पहले दिन नौ यात्रियों ने ई-सिटी बस से अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए यात्रा की। बेहतर कनेक्टिविटी के दावों के बीच यात्री 1.5 किमी तक अपना लगेज खींचकर बसों तक

पहुंचे।

एयरपोर्ट के गेट तक बसों की सुविधाएं देने का दावा पहले दिन हवा साबित हुआ। लखनऊ से नोएडा एयरपोर्ट पर फ्लाइट एक घंटे में पहुंच गई। एयरपोर्ट से बाहर निकले यात्रियों को आगे जाने के लिए बस और कैब नहीं मिल सकी।

1.5 किमी दूर पैदल चलकर यात्री बसों तक पहुंचे। एयरपोर्ट की कैंपस शटल सेवा अभी शुरू नहीं हुई है। सामान्य बसों के लिए बने एयरपोर्ट के बस स्टाप तक सिटी-बसों को जाने की अनुमति मिली। इसकी वजह से यात्री परेशान हुए।

निगरानी तंत्र विफल, चालक-परिचालको की मर्जी के स्टापेज

ई-सिटी बसों के संचालन को लेकर निगरानी तंत्र विफल साबित हो रहा है। चालक-परिचालक अपनी मर्जी से बसों को चला रहे और रोकते हैं। बोटेनिकल गार्डन पर दोपहर साढ़े 12 से डेढ़ बजे तक एक भी सिटी बस नहीं मिली।

वहीं, सिटी सेंटर पर पौने दो से तीन बजे तक करीब सवा घंटे में 17 सिटी बसें गुजरीं। कुछ एक बसें यहां रुकीं तो सही लेकिन दरवाजे नहीं खुले होने से सवारियां नहीं बैठ सकीं। चालक-परिचालक अपनी मर्जी अनुसार बिना रुके सिटी बसों को रूट पर दौड़ा रहे हैं।

सोमवार को 100 बस चलाने का किया था दावा

सोमवार को शहर में 100 बसें चलाने का दावा परिवहन निगम ने किया। लेकिन मुख्य रूटों पर ही बसें नजर नहीं आईं। मोरना डिपो में ही करीब 10 इलेक्ट्रिक बसें खड़ी हुई थीं। सेक्टर-90 स्थित डिपो पर लगे पांच में से दो इलेक्ट्रिक चार्जर खराब हैं। मोरना डिपो पर लगे पांच चार्जर से इलेक्ट्रिक बसों का चार्ज किया जा रहा था।

बैठने के लिए सीट नहीं मिली तो ट्रेन में बम की उड़ाई अफवाह

(जीएनएस)।

लखनऊ , राप्ती सागर एक्सप्रेस में बम की सूचना देने वाले युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। सूचना पर ऐशबाग स्टेशन पर एक्सप्रेस को रोककर चेकिंग की गई।

राप्ती सागर एक्सप्रेस 12512 में बैठने के लिए यात्री को सीट नहीं मिली तो उसने ट्रेन में बम होने की अफवाह उड़ा दी। बम की सूचना मिलते ही ऐशबाग स्टेशन पर ट्रेन को रोक दिया गया। यात्रियों को ट्रेन से उतारकर सघन तलाशी अभियान चलाया गया। करीब डेढ़ घंटे तक अफरातफरी का माहौल रहा। जीआरपी ने सूचना देने वाले यात्री को फोन किया तो वह ट्रेन के भीतर ही मिला।

जीआरपी इंस्पेक्टर धर्मवीर सिंह के मुताबिक मूलरूप से तेलंगाना के रजाना स्थित विमलवाड़ा निवासी सैनी जैकी (26) ने रेलवे के हेल्पलाइन नंबर पर राप्तीसागर एक्सप्रेस के कोच एस-2 में बम की सूचना दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जीआरपी, आरपीएफ व बम निरोधक दस्ता ऐशबाग स्टेशन पर पहुंच गया। ट्रेन से यात्रियों को नीचे उतारा गया। काफी देर तक छानबीन के दौरान ट्रेन में कुछ संदिग्ध वस्तु नहीं मिला।

इसके बाद सैनी जैकी से पूछताछ की गई तो वह गुमराह करने लगा। सैनी ने पहले बताया कि ट्रेन आउटर में कुछ देर के लिए रुकी थी। इस दौरान चार युवक ट्रेन से तेजी से उतर गए। चारों युवकों ने ही ट्रेन में बम होने की बात कही थी।

आरोपी के बयान से संदेह होने पर जीआरपी ने सैनी से सख्ती से पूछताछ की तो वह टूट गया। आरोपी ने अपनी गलती स्वीकार कर ली और बैठने के लिए सीट नहीं मिलने पर अफवाह उड़ाने की बात बताई। जीआरपी सैनी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। जीआरपी इंस्पेक्टर का कहना है कि कोच एस-2 और पूरी ट्रेन की चेकिंग के बाद उसे रवाना कर दिया गया।

जेवर एयरपोर्ट पर लखनऊ से आई पहली फ्लाइट, जानें आईजीआई पर कौन-सी थी पहली लैंडिंग?

जेवर एयरपोर्ट पर लखनऊ से आई पहली फ्लाइट, जानें IGI पर कौन-सी थी पहली लैंडिंग?

जेवर एयरपोर्ट पर लखनऊ से पहली कमर्शियल फ्लाइट की सफल लैंडिंग हो गई है. ऐसे में जानिए दिल्ली के IGI एयरपोर्ट पर सबसे पहली फ्लाइट कब उतरी थी और उससे जुड़ा इतिहास क्या है?

IGI Airport First Flight: 15 Ju»»fe 2026 की सुबह Noida International

Airport पर लखनऊ के चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट से आई Indigo की फ्लाइट नंबर 6ए 2278 ने पहली commercial flight के रूप में सफल लैंडिंग की. इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट लखनऊ के चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सुबह 7:05 बजे रवाना हुई और ठीक एक घंटे बाद, सुबह 8:05 बजे जेवर एयरपोर्ट पर उतरी. इस ऐतिहासिक उड़ान में कुल 182 यात्री सवार थे. साथ ही इस पूरी योजना में सबसे खास पल वह था जब यह पता चला कि फ्लाइट में सफर करने वाले यात्री किसान थे, वे किसान जिन्होंने एयरपोर्ट बनाने के लिए अपनी जमीन दी थी. यानी जिस जमीन पर आज यह एयरपोर्ट खड़ा है, उसके असली मालिक आज उसी की पहली उड़ान में बैठे थे. इसके अलावा जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह भी इस खास पल में शामिल थे.

Noida International Airport को YamunaExpressway के किनारे जेवर में बनाया गया है. यह एयरपोर्ट दिल्ली-NCR का दूसरा बड़ा हवाई अड्डा है. इसके शुरू होने से Noida, Greater Noida और आसपास के इलाकों के लोगों को काफी राहत मिलेगी क्योंकि अब उन्हें एयरपोर्ट तक जाने के लिए लंबा सफर नहीं करना पड़ेगा. ऐसे में कई लोगों के मन में सवाल आ रहा है कि सबसे चर्चित इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जहां कोई ऐसी देश की फ्लाइट नहीं होगी जो न उतरी हो, वहां यह दृश्य देखने को कब मिला था.

'यही चारों असली चोर...', राम मंदिर चढ़ावा मामले में संतोष दुबे ने दी तहरीर

(जीएनएस)।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले में एफआईआर के लिए तहरीर दे दी गई है. अयोध्या के रहने वाले संतोष दुबे नामक शख्स ने एफआईआर के लिए तहरीर दी है. यह तहरीर राम जन्मभूमि कोतवाली में दी गई है. तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर पॉलीग्राफ टेस्ट कराकर जांच करने की मांग की गई है.

तहरीर में राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी अनिल मिश्रा, राम मंदिर की व्यवस्थापक गोपाल राव और चंपत राय के ड्राइवर रहे राम शंकर यादव उर्फ टीन्नू यादव का भी नाम लिखा गया है. शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि मंदिर के चढ़ावे से संबंधित मामले की निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए.

आज तक से बातचीत करते हुए संतोष दुबे ने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के यही चार चोर हैं. जिनके नाम चंपत राय बंसल, अनिल मिश्रा, गोपाल राव और राम शंकर यादव टिन्नू यादव है. एसआईटी बस

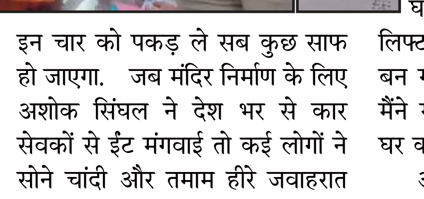

इन चार को पकड़ ले सब कुछ साफ हो जाएगा. जब मंदिर निर्माण के लिए अशोक सिंघल ने देश भर से कार सेवकों से ईंट मंगवाई तो कई लोगों ने सोने चांदी और तमाम हीरे जवाहरात जड़ित ईंटें दान की थी. वह कीमती ईंटें गायब हो गईं और आज तक पता नहीं चला. ये सब पुराने चोर हैं. राम मंदिर निर्माण शुरू हुआ तो जमीन खरीदने में घोटाला कर दिया, अब मंदिर बन गया तो चढ़ावा चोरी करने लगे. दुबे ने कहा कि ट्रस्ट के यह सभी लोग चोर हैं. मेरी प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से मांग है कि इन सभी की संपत्ति की जांच करवाई जाए.

राम मंदिर निर्माण से पहले जो राम शंकर यादव, विनय कटियार चंपत राय का ड्राइवर हुआ करता था और 22000 की ड्राइवरी की नौकरी करता था, वह करोड़ों का मालिक कैसे बन गया? कैसे साधारण से घरवाले अनिल मिश्रा के घर में लिफ्ट लग गई और आलीशान मकान बन गया? राम मंदिर निर्माण के लिए मैंने गोली खाई, आंदोलन किया, मेरे घर की 3 बार कुर्की की गई.

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल दूसरे दिन भी जांच में जुटा हुआ है. सोमवार को करीब आठ घंटे तक चली पड़ताल के दौरान टीम ने मंदिर में चढ़ावा एकत्र होने से लेकर उसकी गिनती, पैकिंग और बैंक में जमा होने तक की पूरी प्रक्रिया को विस्तार से समझा.

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

विशेष हैं भारत-नेपाल संबंध

पड़ोसी जैसा मित्र और न ही पड़ोसी जैसा दुश्मन होता है। भारत के अपनी चाय आयात नीति में परिवर्तन करते ही नेपाल की चाय पैक्ट्रियों में ताले लटक गए। एक खबर के मुताबिक भारत ने अपने चाय उत्पादकों के भले के लिए आयात शुल्क में बढ़ोत्तरी कर दी, परिणामस्वरूप 53 चाय पैक्ट्रियां बंद हो गईं और 20 हजार से ज्यादा श्रमिक बेरोजगार हो गए।

दरअसल भारत विश्व की सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश है, इसलिए यहां हर चीज की खपत ज्यादा है। फिर भी इस वक्त पूरी दुनिया में स्वदेशी अर्थव्यवस्था की धूम सी मची है, उसको देखते हुए किसी दूसरे देश से चाय का आयात करना भारतीय चाय उद्योग के हितों की अनदेखी करना है। भारत कदापि नहीं चाहेगा कि देश में पर्याप्त चाय उत्पादन के बावजूद नेपाल या किसी भी मित्र देश की चाय उत्पाद का आयात करे क्योंकि इससे न सिर्फ देश की अर्थव्यवस्था पर विपरीत असर पड़ेगा बल्कि यह चाय उद्योग से जुड़े भारतीय नागरिकों एवं व्यवसायियों के साथ विश्वासघात होगा। यही कारण है कि भारत ने अपने कमजोर पड़ोसियों के प्रति संकोचवश लचीली आयात नीति में परिवर्तन कर दिया।

भारत और नेपाल सही अथरे में मित्र ही नहीं रक्त संबंधी भी हैं किन्तु नेपाल वुछ वषरे से भारत को शोषक पड़ोसी साबित करने पर तुला है। भारतीय हितों को ठेंगा दिखाते हुए नेपाल ने अपने बाजार चीन के लिए खोल कर अपनी नीयत को स्पष्ट कर दिया कि काठमाण्डु के लिए नईं दिल्ली से ज्यादा महत्वपूर्ण पेइचिंग है।

वास्तविकता यह है कि भारत के साथ नेपाल का जो विशेष संबंध था, वह सांस्वृतिक यानि सनातनी था। चीन ने सबसे पहले नेपाल में मार्क्सवाद का बीजारोपण किया और बाद में जब मार्क्सवादी कामरेड अराजकतावादी बन गए तब चीन ने बड़ी ही चतुराईं से नेपाल को लालच देकर भारतीयता का विरोधी बना दिया। नेपाल यह अच्छी तरह जातना है कि भारत उसके प्रति हमेशा नरम रुख अपनाएगा कारण कि भारत नेपाल के प्रति कड़ा रुख अपनाकर उसे चीन पर निर्भर बनाने की रणनीतिक भूल नहीं करेगा। नेपाल भारत को यह धमकी भी देता रहता है कि यदि भारत से नेपाल के हित नहीं सधते तो उसके लिए चीन विकल्प खुला है। इसीलिए नेपाल की वूटनीतिक सौदेबाजी को वूटनीतिक ब्लैकमेलिंग भी कहा जाता है। भारत नेपाल संबंधों के जानकार तो यहां तक मानते हैं कि नेपाल ने पहले चीन को ब्लैकमेल किया कि यदि पेइचिंग ने उसके प्रति लचीला रवैया नहीं अपनाया तो भारत नेपाल के लिए मजबूरी बन जाएगा। दूसरी तरफ भारत से कहता है कि यदि भारत उसके हितों का ध्यान नहीं रखेगा तो नेपाल चीन का दरवाजा खटखटाएगा। इस तरह नेपाल भारत और चीन दोनों के साथ चतुराईं भरी वूटनीतिक ब्लैकमेलिंग करता है।

मजे की बात तो यह है कि नेपाल भारत के साथ उतना ही संबंध रखता है जितना कि चीन के हितों को नुकसान न हो किन्तु वह भारत से उम्मीद करता है कि नईं दिल्ली उससे 1950 के दशक वाला संबंध रखे। उल्लेखनीय है कि 1950 के दशक में नेपाल चाहता था कि भारत उसके रक्षा, विदेश और संचार मामले अपने हाथ में ले ले। भारत भी नेपाल के हर तरह के हितों का संरक्षण करना अपना कर्तव्य समझता था। किन्तु आज का नेपाल पूरी तरह स्वाथी और भारत की अपेक्षा चीन के प्रति ज्यादा वृतज्ञता दशार्ता दिखता है। नेपाल के नीति निर्धारकों को पता नहीं यह गलतफहमी कैसे हो गईं कि उनके ऐसे व्यवहार के बावजूद 2026 का भारत 1950 के दशक वाले भारत की तरह व्यवहार करेगा। लब्बोलुआब यह है कि भारत अपने अच्छे और बुरे दोनों तरह के पड़ोसियों के आशय को अच्छी तरह पहचानता है।

इसीलिए अब किसी को खुश करने के लिए उसके प्रति अपनी नीति का निर्धारण नहीं करता। नेपाल यदि चाहता है कि भारत अपने चाय वृषकों एवं उत्पादकों के हितों के साथ समझौता करके नेपाली चाय उद्योग को बचाने की सहृदयता दिखाए तो नेपाल को भी भारत के साथ मैत्री एवं भ्रातृत्व संबंधों को समुचित निर्वहन करना होगा।

महाराणा प्रताप का जीवन आजादी के त्याग और लगातार संघर्ष का एक अनोखा उदाहरण

हल्दीघाटी का युद्ध सिर्फ इतिहास की किताबों तक सीमित नहीं, बल्कि देशभक्ति का एक जीता-जागता प्रतीक है: लोक सभा अध्यक्ष

लोक सभा अध्यक्ष ने युवाओं से अपील की कि वे 'विकसित भारत' बनाने के लिए महाराणा प्रताप की तरह मेहनत और समर्पण से काम करें

एक सच्चा विकसित भारत वह होगा जहाँ हमारी पुरानी संस्कृति और आज की नई तकनीक का बेहतरीन मेल होगा: लोक सभा अध्यक्ष

(जीएनएस)।

लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज कहा कि मेवाड़ की पवित्र धरती ने पूरी दुनिया को साहस, वीरता और स्वाभिमान का संदेश दिया है। उदयपुर में महाराणा प्रताप की स्मृति में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए श्री बिरला ने कहा कि इस महान योद्धा का जीवन देशभक्ति, त्याग और आजादी की लड़ाई का एक अनोखा उदाहरण है, जो आज की और आने वाली पीढ़ियों को हमेशा रास्ता दिखाता रहेगा।

श्री बिरला ने कहा कि महाराणा प्रताप ने जानबूझकर राज-पाट के ऐशो-आराम को छोड़ दिया। उन्होंने अपना पूरा जीवन अपनी जनता की सेवा, मेवाड़ की आजादी और लोगों के सम्मान की रक्षा में लगा दिया। उन्होंने आगे कहा कि इतिहास में मेवाड़ का संघर्ष अनोखा है। बहुत कम साधन होने के बाद भी महाराणा प्रताप ने स्थानीय भील समुदाय और आम लोगों के साथ मिलकर देश की पहचान और सम्मान को बचाने के लिए बड़े हौसले और भरोसे के साथ लड़ाई लड़ी।

इस क्षेत्र के इतिहास की बात करते हुए श्री बिरला ने कहा कि महाराणा प्रताप, महारानी पद्मिनी, महाराणा कुंभा और राणा पुंजा जैसी महान हस्तियाँ देश सेवा के लिए हमेशा प्रेरणा देती रहेंगी। उन्होंने कहा कि हल्दीघाटी का ऐतिहासिक युद्ध सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देशभक्ति और अन्याय के खिलाफ लड़ाई का एक जीता-जागता प्रतीक बन चुका है।

इतिहास की इस सीख को आज के लक्ष्यों से जोड़ते हुए लोक सभा अध्यक्ष ने युवाओं से अपील की कि वे 'विकसित भारत' बनाने के लिए इसी मेहनत और समर्पण के साथ काम करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि जैसे-जैसे भारत आगे बढ़ रहा है, देश के लिए समर्पण, अनुशासन और ज़िम्मेदारी की भावना सबसे ज्यादा जरूरी है।

श्री बिरला ने कहा कि एक सच्चा विकसित भारत वह होगा, जहाँ संस्कृति की पुरानी पहचान भी होगी और आज के जमाने की नई तकनीक भी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि कि मेवाड़ का यह प्रेरक इतिहास आने वाली पीढ़ियों को देश की सेवा और स्वाभिमान के रास्ते पर चलने के लिए हमेशा प्रेरित करता रहेगा।

टीएमसी पर किसका कब्जा? ममता या बागी सांसद? कोर्ट पहुंची लड़ाई तो किसके हाथ में रहेगी पार्टी

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में शायद यह सबसे बड़ा संकट है, जिसका सामना ममता बनर्जी को अपने राजनीतिक करियर में करना पड़ रहा है। तृणमूल कांग्रेस (ळटउ) के 28 लोकसभा सांसदों में से 20 सांसदों का पार्टी से अलग होना केवल राजनीतिक झटका नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर पार्टी के अस्तित्व और उसके चुनाव चिन्ह तक की लड़ाई बन सकता है। यही वजह है कि अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि अगर मामला चुनाव आयोग और अदालत तक पहुंचता है तो आखिर 'असली ळटउ' किसे माना जाएगा?

वरिष्ठ नेता सुदीप बंदोपाध्याय और काकोली घोष दस्तीदार की अगुवाई में इन 20 सांसदों ने दिल्ली में लोकसभा स्पीकर को चिट्ठी सौंपकर एक छोटी सी क्षेत्रीय पार्टी 'नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया' (ठउढक) में अपने विलय (टी१ि१) का ऐलान कर दिया है। इस बगावत ने देश की सियासत में एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है- क्या महाराष्ट्र के शिवसेना और एनसीपी विवाद की तरह अब बंगाल में भी ममता बनर्जी के हाथ से उनकी पार्टी का नाम और 'जोड़ा फूल' चुनाव चिह्न छिन जाएगा?

बागी गुट का दावा है कि जुलाई में संसद सत्र शुरू होते ही वे खुद को 'असली टीएमसी' घोषित करने की कानूनी लड़ाई शुरू करेंगे। आइए समझते हैं कि इस कानूनी लड़ाई में किसका पलड़ा भारी है और कोर्ट की चौखट पर जाकर यह मामला कैसे पलटने वाला है।

सांसदों की बगावत या कानून से बचने का जुगाड़?

बागी सांसदों के इस कदम को समझने के लिए सबसे पहले 'दल-बदल विरोधी कानून' को समझना होगा। साल 1985 में संविधान की 10वीं अनुसूची के तहत यह कानून इसलिए लाया गया था ताकि कोई भी सांसद या विधायक पैसों या पद के लालच में अपनी पार्टी न बदले।

साल 2003 में हुए 91वें संविधान संशोधन के बाद एक नियम पूरी तरह खत्म कर दिया गया-वह था 'विभाजन' का नियम। यानी अब आप किसी पार्टी में रहकर यह नहीं कह सकते कि हम एक-तिहाई लोग अलग गुट बना रहे हैं।

अब संसद या विधानसभा में

अपनी सदस्यता बचाने का सिर्फ एक ही रास्ता है-'विलय'। कानून कहता है कि अगर किसी पार्टी के कम से कम दो-तिहाई (2/3) सदस्य किसी दूसरी पार्टी में जाकर मिल जाते हैं, तभी उनकी सदस्यता बचेगी। टीएमसी के पास लोकसभा में 28 सांसद थे, जिसका दो-तिहाई आंकड़ा 20 बैठता है।

बागियों ने इस आंकड़े को तो छू लिया और खुद को अयोग्य होने से बचाने के लिए त्रिपुरा की एक गुमनाम सी पार्टी ठउढक का सहारा लिया। लेकिन कानून के जानकार इसे 'शेल कंपनी' की तरह सिर्फ एक कानूनी जुगाड़ मान रहे हैं, जो अदालत में टिकना बेहद मुश्किल है।

▶ सुप्रीम कोर्ट के वो फैसले जो बागियों की राह में बनेंगे रोड़ा

बागी गुट भले ही दो-तिहाई सांसदों के दम पर अपनी पीठ थपथपा रहा हो, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसले ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ी ढाल बनने जा रहे हैं। लोकसभा के पूर्व महासचिव पीडीटी आचार्य और वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी जैसे जानकारों का मानना है कि बागियों ने जो रास्ता चुना है, उसमें कई कानूनी खामियां हैं। सुप्रीम कोर्ट के तीन बड़े फैसले इस पूरे मामले की दिशा तय करेंगे:

◆सुभाष देसाई बनाम महाराष्ट्र राज्यपाल (2023 - शिवसेना विवाद): इस ऐतिहासिक फैसले में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने साफ कहा था कि 'मूल राजनीतिक दल' और 'विधायक/सांसद दल' दो अलग-अलग चीजें हैं। सदन के भीतर बैठे जनप्रतिनिधि खुद को पूरी पार्टी का मालिक नहीं मान सकते। व्हिप जारी करने और पार्टी के बड़े फैसले लेने का असली हक मूल संगठन और उसके अध्यक्ष (ममता बनर्जी) के पास ही सुरक्षित रहता है।

◆डॉ. महाचंद्र प्रसाद सिंह (2004) और राजेंद्र सिंह राणा (2007) केसः इन मामलों में अदालत ने साफ किया था कि विलय हमेशा दो राजनैतिक दलों के बीच संगठन के स्तर पर होना चाहिए, न कि केवल कुछ सांसदों या विधायकों के स्तर पर। अगर मूल पार्टी का संगठन विलय के लिए तैयार नहीं है, तो केवल सांसदों का दूसरी पार्टी में जाना सीधा-सीधा 'दल-बदल' माना जाएगा।

◆रवि नाइक बनाम भारत सरकार (1994): अदालत ने स्पष्ट किया था कि अगर किसी जनप्रतिनिधि की गतिविधियां अपनी ही पार्टी की नीतियों और मूल नेतृत्व के खिलाफ हैं, तो उसे 'स्वेच्छा से सदस्यता छोड़ना' माना जाएगा।

▶ चुनाव आयोग का वो पैराग्राफ 15 और सादिक अली केस

बागी नेता सुदीप बंदोपाध्याय का कहना है कि वे जुलाई में चुनाव आयोग के सामने 'असली टीएमसी' होने का दावा ठोकेंगे। जब भी ऐसी स्थिति आती है, तो चुनाव आयोग 'इलेक्शन सिंबल्स (रिजर्वेशन एंड अलॉटमेंट) ऑर्डर, 1968' के पैराग्राफ 15 के तहत कार्रवाई करता है। 1971 के मशहूर 'सादिक अली बनाम चुनाव आयोग' मामले के आधार पर आयोग तीन मुख्य पैमानों पर दावों की जांच करता है:

◆1. जनप्रतिनिधियों का बहुमत

आयोग देखता है कि संसद और विधानसभा में कितने लोग किस गुट के साथ हैं। यहाँ बागियों का पक्ष मजबूत दिखता है, क्योंकि उनके पास 28 में से 20 लोकसभा सांसद हैं और वे राज्य के 80 में से 60 से ज्यादा विधायकों के समर्थन का दावा भी कर रहे हैं। हालांकि, विधानसभा अध्यक्ष रथिंद्र नाथ बोस ने ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता दे दी है, जिसे टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कलकत्ता हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

◆2. संगठन पर पकड़

आयोग यह भी जांचता है कि पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी, पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों में किसका पलड़ा भारी है। इस मोर्चे पर ममता बनर्जी बेहद मजबूत हैं, क्योंकि अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के संगठन पर आज भी उनका और राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी का पूरा नियंत्रण है। हालांकि, महाराष्ट्र के मामलों में आयोग ने संगठन से ज्यादा जनप्रतिनिधियों की संख्या को तवज्जो दी थी, जो ममता के लिए चिंता का विषय हो सकता है।

◆3. पार्टी का संविधान

आयोग देखता है कि क्या पार्टी के भीतर बगावत या नए नेतृत्व का चुनाव पार्टी के आंतरिक नियमों और संविधान के तहत हुआ है या नहीं। चूंकि टीएमसी का पूरा ढांचा ममता बनर्जी के इर्द-गिर्द बुना गया है, इसलिए बागियों के लिए खुद को पार्टी के संविधान के तहत 'असली' साबित करना एक टेढ़ी खीर होगी।

▶ क्या जब्त हो जाएगा टीएमसी का चुनाव चिन्ह?

इस पूरी कानूनी जंग का नतीजा क्या निकलेगा? अगर चुनाव आयोग को लगता है कि दोनों पक्षों के दावे बेहद उलझे हुए हैं और तुरंत किसी एक के पक्ष में फैसला नहीं दिया जा सकता, तो आयोग अंतरिम आदेश जारी कर सकता है। ऐसी स्थिति में टीएमसी का नाम और उसका प्रसिद्ध 'जोड़ा फूल' सिंबल फ्रीज (जब्त) किया जा सकता है। इसके बाद दोनों गुटों को चुनाव के लिए अस्थाई तौर पर नए नाम और नए चुनाव चिह्न दिए जाएंगे।

अभिषेक बनर्जी ने पहले ही लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र भेजकर बागी गुट को मान्यता न देने और अधिकृत व्हिप का पालन कराने की मांग की है। सागरिका घोष और कीर्ति आजाद जैसे नेताओं ने साफ कर दिया है कि वे इस लड़ाई को इतनी आसानी से नहीं छोड़ेंगे। चुनाव आयोग या स्पीकर का फैसला जिसके भी खिलाफ जाएगा, वह तुरंत सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगा।

लड़ाई का लब्बोलुआब यह है कि कागजी और विधायी आंकड़ों (सांसदों की संख्या) के जाल में बागी गुट ने ममता बनर्जी की घेराबंदी बहुत तगड़ी की है। उन्होंने कानून की कमियों का फायदा उठाकर अपनी सांसदी तो फिलहाल बचा ली है, लेकिन टीएमसी की आत्मा इसके लाखों कार्यकर्ता और संगठन हैं, जो पूरी तरह ममता बनर्जी के साथ खड़े हैं।

लखनऊ में भारत-अफगानिस्तान का मुकाबला आज, दर्शकों को रोहित शर्मा से धमाकेदार पारी की उम्मीद

चोटिल विराट कोहली और हार्दिक पंड्या की गैरमौजूदगी में सीरीज में टीम इंडिया के सबसे बड़े चेहरे रोहित शर्मा होंगे। ऐसे में दर्शकों को रोहित शर्मा से एक धमाकेदार पारी की उम्मीद होगी।

टीम इंडिया वनडे सीरीज में अजेय बढ़त लेने के लिए बुधवार को अफगानिस्तान के खिलाफ मैदान में उतरेगी। भारतीय टीम शुभमन गिल और अफगानिस्तान टीम हशमतुल्लाह शहीदी की कप्तानी में इकाना स्टेडियम में दोपहर 1:30 बजे से मुकाबले को

उतरेंगी।

चोटिल विराट कोहली और हार्दिक पंड्या की गैरमौजूदगी में सीरीज में टीम इंडिया के सबसे बड़े चेहरे रोहित शर्मा होंगे। ऐसे में दर्शकों को रोहित से एक धमाकेदार पारी की उम्मीद होगी। इकाना स्टेडियम में होने वाले मुकाबले के लिए मंगलवार को दोनों टीमों ने कड़ा अभ्यास करके अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दिया।

पिछले मुकाबलों को आधार माने तो इकाना स्टेडियम में लक्ष्य का पीछा करना आसान रहा है। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला कर सकती है।

लखनऊ चिड़ियाघर के अध्ययन में मगरमच्छ की अनूठी जीवनशैली का खुलासा

(जीएनएस)।

लखनऊ। विश्व मगरमच्छ दिवस के अवसर पर नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान (लखनऊ चिड़ियाघर) में मगरमच्छों पर एक अध्ययन किया गया है। इस अध्ययन में मगरमच्छ की अनूठी जीवनशैली और शिकार करने की रणनीति का खुलासा हुआ है। वन्यजीव चिकित्सकों ने बताया कि मगरमच्छ शेर या बाघ से बिल्कुल अलग तरीके से शिकार करते हैं। वे भोजन पचाने से पहले अपने शरीर का तापमान बढ़ाते हैं।

अध्ययन के अनुसार, मगरमच्छ शिकार करने या भोजन पचाने से पहले खुद को औसत से अधिक गर्म करते हैं। यह उन्हें मांस को अच्छी तरह से पचाने में मदद करता है। मगरमच्छ का उपापचय बेहद धीमा होता है। जब वे हिरण या जंगली सूअर जैसे बड़े शिकार को निगलते हैं, तो उन्हें पचाने के लिए अत्यधिक शारीरिक ऊष्मा चाहिए। पेट भरकर खाने के बाद मगरमच्छ धूप में बैठ जाते हैं। सूर्य की किरणें उनके विशाल शरीर को गर्म करती हैं। इससे उनके पेट के पाचक एंजाइम और अम्लीय तत्व सक्रिय हो जाते हैं। यह एसिड शिकार की मजबूत हड्डियों और खुरों को भी गला देता है।

पानी के भीतर सांस रोकने की क्षमता

लखनऊ चिड़ियाघर के वन्यजीव चिकित्सक और उप निदेशक उत्कर्ष शुक्ला ने बताया कि मगरमच्छ सामान्यतः 15 से 30 मिनट तक पानी के अंदर सांस रोक सकते हैं। विशेष परिस्थितियों में वे दो घंटे या उससे अधिक समय तक पानी में रहते हैं। ऐसा तब होता है जब वे पानी के नीचे बिल्कुल शांत बैठे हों। इस दौरान मगरमच्छ अपनी ऊर्जा बचाते हैं। पानी में जाने पर वे अपने दिल की धड़कन बहुत धीमी कर लेते हैं। इस खूबी से उनके शरीर में ऑक्सीजन की खपत बेहद कम हो जाती है।

लखनऊ चिड़ियाघर में मगरमच्छों का प्रबंधन

लखनऊ चिड़ियाघर के निदेशक संजय कुमार बिश्वाल के अनुसार, चिड़ियाघर परिसर में इस समय करीब 13 मगरमच्छ हैं। गर्मी के मौसम में वे अपना अधिकांश समय पानी के भीतर ही बिताते हैं। मौजूदा समय में उन्हें सप्ताह में केवल दो दिन भोजन दिया जाता है। सर्दियों या ठंडे मौसम में मगरमच्छ भोजन करना पूरी तरह बंद कर देते हैं। एक वयस्क मगरमच्छ एक बार भरपेट भोजन करने के बाद कई महीनों तक बिना कुछ खाए-पिए जीवित रह सकता है। यह उनकी धीमी उपापचय दर के कारण संभव होता है।

संचिता उगले को किसी ने परेशान कर रखा था? मोबाइल बताएगा मौत की असली कहानी, पापा ने खोली सारी परतें

(जीएनएस)।

टीवी इंडस्ट्री की उभरती एक्ट्रेस संचिता उगले की मौत ने पूरे एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री को झकझोर कर रख दिया है। एक्ट्रेस की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के बाद कई सवाल लगातार उठ रहे हैं। शुरूआती जांच में कहा जा रहा था कि संचिता ने खुद अपनी जान ले ली है लेकिन आखिर वह कौन सी वजह थी जिसने इतनी कम उम्र में एक सफल होती कलाकार को ये कदम उठाने पर मजबूर किया, इसका जवाब अभी तक नहीं मिल पाया है।

संचिता उगले की मौत बनी रहस्य, मोबाइल फोन से पता चलेगा सच

अब इस पूरे मामले में पुलिस की नजर संचिता उगले के मोबाइल फोन और डिजिटल गतिविधियों पर टिकी हुई है। जांच अधिकारियों को उम्मीद है कि फोन में मौजूद जानकारी इस केस की सबसे अहम कड़ी साबित हो सकती है। मोबाइल से ही इस मामले की कई परतें खुल सकती हैं।

मोबाइल डेटा से तलाशे जा रहे जवाब

सूत्रों के अनुसार पुलिस ने संचिता उगले का मोबाइल फोन अपने कब्जे में लेकर उसकी गहन जांच शुरू कर दी है। कॉल हिस्ट्री, मैसेजेस,सोशल मीडिया चैट, इंस्टाग्राम एक्टिविटी और हालिया संपर्कों की पड़ताल की जा रही है। जांच एजेंसियां ये जानने की कोशिश कर रही हैं कि मौत से पहले संचिता किन लोगों के संपर्क में थीं और क्या उनकी निजी या प्रोफेशनल लाइफ में ऐसा कुछ चल रहा था, जिसने उन्हें मानसिक रूप से प्रभावित किया हो। डिजिटल ट्रेल से मिले सुराग अब जांच की दिशा तय कर सकते हैं।

6 महीने से चल रहा था डिप्रेशन का इलाज

-जांच से जुड़े सूत्रों का दावा है कि संचिता पिछले करीब 6 महीनों से डिप्रेशन का इलाज करवा रही थीं। पुलिस को उनके इलाज और डॉक्टरों से हुई बातचीत से जुड़े कुछ डिजिटल रिकॉर्ड भी मिले हैं। हालांकि जांचकर्ताओं के सामने सबसे बड़ा सवाल अब भी यही है कि आखिर वह कौन सी वजह थी जिसके चलते एक्ट्रेस लंबे समय से मानसिक तनाव का सामना कर रही थीं।

-सवाल उठ रहे हैं कि क्या इसके पीछे संचिता के निजी जीवन की परेशानियां थीं, करियर का दबाव था

या कोई अन्य कारण, इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है। फिलहाल पुलिस इसी एंगल पर सबसे ज्यादा फोकस कर रही है।

सोशल मीडिया पर दिख रही थीं सामान्य

-इस मामले को और भी पेचीदा इसलिए माना जा रहा है क्योंकि मौत से कुछ समय पहले तक संचिता उगले सोशल मीडिया पर एक्टिव थीं। उनके आखिरी पोस्ट और वीडियो सामने आने के बाद कई फैंस ने हैरानी जताई है।

-वीडियो और पोस्ट में वह नॉर्मल और खुश दिखाई दे रही थीं। ऐसे में अचानक सामने आई मौत की खबर ने उनके चाहने वालों को गहरे सदमे में डाल दिया है। सोशल मीडिया पर लगातार ये सवाल पूछा जा रहा है कि आखिर पर्दे के पीछे ऐसा क्या चल रहा था, जो किसी को नजर नहीं आया।

परिवार और करीबी लोगों के बयानों ने बढ़ाए सवाल

संचिता उगले की मौत के बाद परिवार और दोस्तों की ओर से भी कई अहम बातें सामने आई हैं। कुछ करीबी लोगों का कहना है कि एक्ट्रेस पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान थीं और कई बातों को लेकर तनाव में रहती थीं। वहीं कुछ दोस्तों ने भी कथित तौर पर उन पर पड़ रहे दबाव और तनाव का जिक्र किया है। हालांकि इन दावों की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और पुलिस सभी बयानों की जांच कर रही है।

पिता का छलका दर्द, बोले- अचानक डिप्रेशन में चली जाती थी

-संचिता उगले के पिता मच्छिन्द्र उगले ने एनडीटीवी से बात करते हुए कहा कि उनकी बेटी अक्सर परेशान रहती थी लेकिन उसने कभी खुलकर अपनी परेशानी की वजह नहीं बताई। उन्होंने कहा कि कई बार वह सामान्य और खुश दिखाई देती थी लेकिन अचानक गहरे तनाव में चली जाती थी। परिवार को ये अंदाजा नहीं था कि उसकी मानसिक स्थिति इतनी गंभीर हो सकती है कि वह ऐसा बड़ा कदम उठा लेगी।

-संचिता के पिता के अनुसार परिवार हमेशा उसके साथ रहने की कोशिश करता था और उसे अकेला नहीं छोड़ता था लेकिन घटना वाले दिन कुछ समय के लिए वह घर में अकेली थी और इसी दौरान ये दुखद घटना हो गई।

क्या संचिता पर किसी तरह का दबाव था?

संचिता के पिता ने ये भी संकेत दिया कि उनकी बेटी किसी न किसी प्रकार के दबाव का सामना कर रही थी।

नीट अभ्यर्थियों को बस किराए में 50 फीसदी की छूट, सीएम योगी ने की घोषणा; मुहर्रम पर दिया सख्त निर्देश

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने नीट अभ्यर्थियों को लेकर बड़ा ऐलान किया है। नीट परीक्षा से पहले सीएम योगी के स्तर पर समीक्षा की गई। इसमें प्रदेश में नीट परीक्षा के सफल और कदाचारमुक्त आयोजन का आदेश जारी किया गया। परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्थ तगड़ी रहेगी। सीएम योगी ने पुलिस और प्रशासन को पुख्ता तैयारियों के निर्देश दिए। नीट पेपर लीक के बाद दोबारा परीक्षा का आयोजन होने वाला है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने 21 जून को आयोजित होने वाली नीट परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में प्रवेश पत्र दिखाने पर किराए में 50 फीसदी छूट देने की घोषणा की है। साथ ही, मुहर्रम को लेकर भी निर्देश जारी किए।

59 जिलों में होगी परीक्षा

मुख्यमंत्री ने कहा कि 21 जून को प्रदेश के 59 जनपदों में आयोजित होने वाली नीट परीक्षा में लगभग साढ़े तीन लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे। उन्होंने निर्देश दिया है कि परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में प्रवेश पत्र दिखाने पर किराए में 50 फीसदी की छूट प्रदान की जाए। साथ ही, अन्य जिलों में परीक्षा देने जाने वाले अभ्यर्थियों के वहां रुकने की व्यवस्था न होने पर सीएम योगी ने उनके लिए आवश्यक अस्थायी आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए हैं।

सीएम योगी ने एनटीए के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप परीक्षा की शुचिता, पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों पर अफवाह, भ्रामक अथवा गलत सूचनाएं प्रसारित करने के प्रयासों पर कड़ी निगरानी रखते हुए त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करने को कहा है।

मुहर्रम को लेकर सख्त निर्देश

सीएम योगी आदित्यनाथ ने आगामी मोहर्रम को लेकर कड़े निर्देश देते हुए कहा है कि यह मातम का अवसर है, शक्ति प्रदर्शन का नहीं। मुहर्रम के दौरान किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र प्रदर्शन, नई परंपरा की शुरूआत तथा कानफोडू डीजे, ढोल-ताशों के अनियंत्रित प्रयोग की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने शांति भंग करने के प्रयासों पर कठोरतम कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश की कानून-व्यवस्था,

आगामी त्योहारों, राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) तथा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि सभी जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक मोहर्रम की व्यवस्थाओं को लेकर पहले से संवाद स्थापित करें। यह सुनिश्चित करें कि किसी भी जिले में कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ की घटना न होने पाए। पूर्व की घटनाओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि कानफोडू डीजे, ढोल एवं ताशों के अनियंत्रित उपयोग पर प्रभावी नियंत्रण रखा जाए। उन्होंने कहा कि मोहर्रम के जुलूसों में किसी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन नहीं होना चाहिए।

सीएम योगी ने इसके साथ ही किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचाव के लिए ताजियों की ऊंचाई निर्धारित मानकों के अनुरूप रखने के निर्देश दिए। उन्होंने डीएम को निर्देश दिया कि 10 से 12 फीट से अधिक ऊंची ताजियों की अनुमति न दी जाए। उन्होंने कहा कि सभी की आस्था का सम्मान किया जाए, लेकिन नई परंपरा का सृजन किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा।

योग दिवस का बड़े स्तर पर आयोजन

सीएम योगी ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि योग भारतीय संस्कृति एवं ऋषि परंपरा की अमूल्य धरोहर है। यह शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योग को वैश्विक पहचान मिली है। इस वर्ष 'स्वस्थ आयु के लिए योग' थीम के साथ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का प्रदेशभर में सीधा प्रसारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। योग दिवस कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित कराने को कहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की सभी 58 हजार ग्राम पंचायतों एवं 762 नगरीय निकायों में योग कार्यक्रम आयोजित कराए जाएं। अमृत सरोवरों, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों पर सामूहिक योगाभ्यास को प्राथमिकता दी जाए। नगरीय क्षेत्रों के 14 हजार वार्डों में कार्यक्रम स्थलों का चिन्हांकन करने किया जाए।

विशेष स्वच्छता अभियान चलाएंगे अधिकारी

सीएम योगी ने 20 जून को नगर विकास, ग्राम्य विकास एवं पंचायती राज विभागों की ओर से शिक्षण संस्थानों के सहयोग लेकर विशेष स्वच्छता अभियान संचालित करने के निर्देश दिए। साथ ही, कार्यक्रम स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखने, पुलिस बल की नियमित पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने तथा सभी पुलिस लाइनों एवं पीएसी बटालियनों को योग दिवस कार्यक्रमों से जोड़ने के निर्देश भी दिए। सीएम ने स्वयंसेवी संस्थाओं, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों, धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों, योग संस्थानों, एनसीसी, स्काउट एवं गाइड और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर बल दिया। जिला, तहसील, विकासखंड मुख्यालयों एवं ग्राम पंचायत स्तर तक व्यापक स्तर पर योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। जनजागरूकता के लिए प्रभावी प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जाए।

बुजुर्गों को इस राज्य की सरकार देगी 1500 रुपए मासिक पेंशन, महिलाओं को भी मिलेगा लाभ, जानें आवेदन का तरीका

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वृद्धजनों और बेसहारा महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण के तहत 1500 रुपये मासिक पेंशन देने की घोषणा की है. इससे उनका आर्थिक रूप से काफी मदद मिलेगी.

(जीएनएस)।

सरकार खासतौर पर महिलाएं और बुजुर्गों के लिए कई योजनाएं चलाती है, जिससे उनको आर्थिक रूप से काफी मदद भी होती है. यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज सोमवार को विश्व वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस के अवसर पर बुजुर्ग और बेसहारा महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए एक कदम उठाया है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ ने बताया कि पात्र लाभार्थियों को अब 1500 रुपये मासिक पेंशन दी जाएगी, जिससे उन्हें काफी सहारा मिलेगा.

1500 रुपये महीने पेंशन का मिलेगा लाभ

अगर बात करें इस योजना के पीछे के मकसद के बारे में तो राज्य सरकार का मकसद बुजुर्गों और बेसहारा महिलाओं को सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना है. इस पेंशन की मदद से बुजुर्गों और महिलाएं अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा कर पाएंगे. इससे उन्हें काफी मदद मिलेगी. खास बात तो यह है कि सरकार ने सिर्फ बुजुर्गों को ही नहीं, बल्कि बेसहारा महिलाओं को भी इस योजना के दायरे में शामिल किया है. इसके तहत उन्हें आर्थिक सहायता भी मिलेगी और साथ ही वह आत्मनिर्भर जीवन भी जी सकेंगी.

क्या अभी भी इस्तेमाल कर रहे आधार कार्ड का पुराना ऐप, अटक न जाएं आपके जरूरी काम, पढ़ें जरूरी बात

इन योजनाओं से जोड़ने की पहल की जाएगी

ध्यान दें, लाभार्थियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए आयुष्मान भारत ढट-खअ और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना से भी जोड़ा जाएगा. इसके साथ ही उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना का भी लाभ मिलेगा, जिससे उनका जीवन बेहतर हो पाए. सरकार का यह कदम बुजुर्गों और महिलाओं के लिए काफी मददगार साबित होगा.

आसमान में वीनस और जुपिटर का कास्मिक किस, लखनऊ वालो कल शाम चूके तो बरसों का इंतजार, दिखेगा दुर्लभ नजारा

(जीएनएस)।

लखनऊ : बॉलीवुड की मूवी 'कोहिनूर' का एक लोकप्रिय गीत है 'दो सितारों का जमीं पर है मिलन आज की रात...' अब वास्तव में दो सितारों के मिलन की एक दुर्लभ घटना हो रही है। हालांकि यह मिलन जमीन पर नहीं बल्कि आसमान में हो रहा है। इस सप्ताह यह ऐतिहासिक नजारा जिसे आम तौर पर खगोलशास्त्री ' कॉस्मिक किस ', यानी 'ब्रह्मांडीय चुंबन' कहते हैं, लखनऊ के लोग देख सकेंगे।

दो चमकीले ग्रह आएंगे बहुत नजदीक

इस सप्ताह लखनऊ शहर के लोग आसमान में एक दुर्लभ खगोलीय नजारा देख सकेंगे। शाम के समय शुक्र (वीनस) और बृहस्पति (जुपिटर) एक-दूसरे के बहुत करीब दिखाई देंगे। इस आकाशीय घटना को 'कॉस्मिक किस' कहा जाता है। जानकारों के मुताबिक, ये दोनों सबसे चमकीले ग्रह मंगलवार को एक-दूसरे के सबसे करीब होंगे, इसलिए मंगलवार की शाम को यह नजारा साफ दिखाई देगा।

शुक्र और बृहस्पति का होगा मिलन

एस्ट्रोनॉमी के जानकार सीनियर साइंटिफिक ऑफिसर सुमित श्रीवास्तव के अनुसार, 'कॉस्मिक किस' शब्द ग्रहों के मिलन को बताने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक गैर-वैज्ञानिक शब्द है। इसमें दो खगोलीय पिंड, आम तौर पर शुक्र और बृहस्पति, रात में पृथ्वी से देखने पर आसमान में एक-दूसरे के बहुत करीब दिखाई देते हैं।

तीन ग्रहों का दुर्लभ अलाइनमेंट बनेगा

श्रीवास्तव ने बताया कि दोनों ग्रह एक-दूसरे से सिर्फ 1.6 डिग्री की दूरी पर दिखाई देंगे। उन्होंने कहा कि, शाम के धुंधले आसमान में शुक्र और बृहस्पति सबसे चमकीले होंगे। इसी समय बुध ग्रह भी दिखाई देगा, जिससे तीन ग्रहों का एक दुर्लभ अलाइनमेंट बनेगा। इसे अक्सर 'प्लैनेट परेड' कहा जाता है।

कब देखें आकाश में दुर्लभ नजारा?

खगोल विज्ञान के शौकीन यदि इस दुर्लभ नजारे को देखना चाहते हैं तो वे सूर्यास्त के करीब 45 मिनट बाद पश्चिम दिशा में आसमान की ओर देखें। विशेषज्ञों ने बताया कि 4 जून से 14 जून के बीच यह ग्रह एक-दूसरे से पांच डिग्री के दायरे में रहेंगे, हालांकि जब वे सबसे करीब होंगे तब इनका नजारा सबसे शानदार होगा।

दूरबीन से देखने में बेहतर अनुभव मिलेगा

इंदिरा गांधी तारामंडल के अधिकारियों ने कहा कि इस नजारे को बिना किसी उपकरण के नंगी आंखों से देखा जा सकता है, हालांकि दूरबीन या छोटे टेलिस्कोप से इस नजारे को देखना कहीं अधिक बेहतर अनुभव कराएगा।

अधिकारियों ने बताया कि, जहां दूरबीन से ग्रहों के समूह का साफ नजारा दिखेगा, वहीं छोटे टेलिस्कोप से बृहस्पति के कुछ सबसे बड़े चंद्रमा और शुक्र को आंशिक रूप से चमकती डिस्क के रूप में भी देखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि इंदिरा गांधी तारामंडल का लोगों को यह खगोलीय घटना देखने का अवसर उपलब्ध कराने के लिए टेलिस्कोप लगाने का प्लान हैं।

बृहस्पति से अधिक चमकीला ईवनिंग स्टार

इस खगोलीय घटना के दौरान शुक्र, जिसे कि अक्सर 'ईवनिंग स्टार' कहा जाता है, बृहस्पति की तुलना में अधिक चमकीला दिखाई देगा। खगोलशास्त्री इसका कारण शुक्र का पृथ्वी के करीब होना और उस पर अत्यधिक परावर्तक बादलों की परत होना बताते हैं। वह रात में आसमान में अधिक चमकदार दिखाई देता है।

लखनऊ में शाही जरी जुलूस के लिए यातायात में बड़ा बदलाव, बुधवार से यातायात डायवर्जन लागू

(जीएनएस)।

लखनऊ। मुहर्रम के अवसर पर शाही जरी के जुलूस के चलते शहर में कल बुधवार से यातायात डायवर्जन लागू रहेगा।

पहली मुहर्रम पर शाम सात बजे से शाही जरी का जुलूस बड़ा इमामबाड़ा से शुरू होकर रूमीगेट पुलिस चौकी चौराहा, घंटाघर तिराहा, शीश महल, सतखण्डा तिराहा, रईस मंजिल से होते हुए छोटा इमामबाड़ा में समाप्त होगा।

पुलिस उपायुक्त यातायात रवीना त्यागी ने बताया कि डायवर्जन के दौरान आवश्यकता पड़ने पर आपात वाहनों को इससे छूट दी जाएगी। लोग यातायात पुलिस की हेल्पलाइन 9454405155 पर भी संपर्क कर सकते हैं।

यह रहेगी व्यवस्था

सीतापुर रोड की ओर से आने वाला यातायात डालीगंज रेलवे क्रॉसग से पक्का पुल होते हुए बड़े इमामबाड़े की तरफ नहीं जा सकेंगे। यातायात डालीगंज रेलवे क्रॉसग ओवरब्रिज से आठ नंबर चौराहा, आईटी चौराहा होते हुए जाएगा।

हरदोई रोड की तरफ से आने वाले वाहन कोनेश्वर चौराहे से घंटाघर नहीं जा सकेंगे बल्कि चौक, मेडिकल क्रॉस (कमला नेहरू) होकर जाएंगे।

कैसरबाग से सीतापुर रोड की ओर जाने वाले यातायात पक्कापुल की ओर नहीं जा सकेंगे। वाहनों को डालीगंज पुल से इक्का तांगा नदवा बंधा से बाएं आईटी चौराहा, कपूरथला चौराहा, मड़ियांव होते हुए भेजा जाएगा।

कैसरबाग से हरदोई रोड को जाने वाला यातायात पक्का पुल की ओर नहीं जा सकेगा। यह शाहमीना तिराहे से बाएं मेडिकल कॉलेज, चौक, कोनेश्वर होकर जाएगा।

हुसैनाबाद की ओर से आने वाला यातायात हुसैनाबाद (रामगंज) तिराहा से छोटा इमामबाड़ा होकर घंटाघर की ओर नहीं जाएगा। यह यातायात हुसैनाबाद तिराहे से तहसीनगंज तिराहा होकर जाएगा।

चौक चौराहे से खुन-खुन जी गर्ल्स डिग्री कॉलेज होकर सामान्य यातायात नींबू पार्क तिराहा (रूमी गेट चौकी चौराहा) की ओर नहीं जाएगा। यह यातायात चौक चौराहे से मेडिकल क्रॉस (कमला नेहरू) होकर मेडिकल कॉलेज चौराहा या कोनेश्वर होते हुए जाएगा।

नीबू पार्क फ्लाई ओवर से उतरने वाला यातायात रूमी गेट की तरफ नहीं जाएगा। यह यातायात चौक चौराहा, ठाकुरगंज होकर अथवा चरक चौराहा होकर जाएगा।

मेडिकल क्रॉस (कमला नेहरू) चौराहे से कोई यातायात नींबू पार्क (रूमी गेट चौकी चौराहा) की ओर नहीं जाएगा। यह यातायात मेडिकल कॉलेज चौराहा या चौक कोनेश्वर होकर जाएगा।

शाहमीना तिराहे से पक्का पुल होकर बड़े इमामबाड़े की ओर यातायात नहीं जा सकेगा। यह यातायात मेडिकल कॉलेज चौराहा, मेडिकल क्रॉस (चरक) चौराहा, चौक, कोनेश्वर या डालीगंज पुल चौराहे से दाहिने आईटी चौराहा होते हुए अपने गंतव्य को जा सकेगा।

नीबू पार्क (रूमी गेट चौकी चौराहा) से किसी प्रकार का यातायात बड़ा इमामबाड़ा या घंटाघर, छोटे इमामबाड़े की तरफ नहीं जाएगा। यह यातायात मेडिकल क्रॉस (चरक) चौराहा या बंधा रोड नया पक्का पुल होकर जाएगा।

ग्रीन कॉरिडोर से आने वाले वाहन नींबू पार्क चौराहे की ओर नहीं जा सकेंगे। यह यातायात टीले वाली मस्जिद या नया पक्का पुल पार कर खदरा की ओर होते हुए जाएगा।

नक्खास तिराहे से विक्टोरिया स्ट्रीट की ओर सामान्य यातायात नहीं जा सकेगा बल्कि यह यातायात रकाबगंज पुल/बाजार खाला होकर जाएगा।

मेडिकल क्रॉस (चरक) चौराहे सामान्य यातायात नक्खास तिराहा (विक्टोरिया स्ट्रीट) या फूलमंडी, नींबू पार्क (रूमी गेट चौकी) चौराहा की ओर नहीं जा सकेगा। यह यातायात मेडिकल कॉलेज, रकाबगंज पुल या चौक चौराहा, कोनेश्वर चौराहा होकर अपने जाएगा।

कुडिया घाट रोड तिराहा (नया पुल ढाल) से नींबू पार्क (रूमी गेट चौकी) चौराहा की ओर यातायात नहीं आ सकेगा, यह यातायात बंधा रोड या नया पक्का पुल होते हुए जाएगा।

पक्कापुल चौराहे से बड़ा इमामबाड़ा, रूमी गेट चौराहा, घंटा घर तिराहा से छोटा इमामबाड़ा तक जुलूस के मार्ग पर यातायात के लिए पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगा।

मुहर्रम पर जुलूस के लिए पुराने लखनऊ में आज बदला रहेगा यातायात, भारी संख्या में पुलिस बल रहेगा तैनात

मुहर्रम पर मुस्लिम समुदाय की ओर से बुधवार को शाही जरी का जुलूस के कारण पुराने लखनऊ में यातायात परिवर्तित किया गया है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। यह जुलूस शाम को सात बजे बड़ा इमामबाड़ा से शुरू होकर रूमी गेट पुलिस चौकी चौराहा, घंटाघर तिराहा, शीश महल, सतखंडा तिराहा, रईस मंजिल होते हुए छोटा इमामबाड़ा पर समाप्त होगा। इसके कारण पुराने लखनऊ में यातायात परिवर्तित किया गया है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है।

- सीतापुर रोड की ओर से आने वाले यातायात डालीगंज रेलवे क्रॉसिंग से पक्का पुल होते हुए बड़ा इमामबाड़ा की ओर नहीं जा सकेंगें। ये डालीगंज रेलवे क्रॉसिंग ओवरब्रिज से चौराहा नंबर 8, आईटी चौराहा होकर जाएंगे।

- हरदोई रोड की तरफ से आने वाले सभी प्रकार के यातायात कोनेश्वर चौराहे से घंटाघर नहीं जा सकेंगे। ये चौक, मेडिकल क्रॉस होकर जाएंगे। - कैसरबाग से सीतापुर रोड की ओर जाने वाले यातायात पक्कापुल की ओर नहीं जा सकेंगे। ये डालीगंज पुल से इक्का टांगा नदवा बंधा से बाएं आईटी चौराहा, कपूरथला चौराहा, मड़ियांव होकर जाएंगे।

- कैसरबाग से हरदोई रोड को जाने वाले यातायात पक्का पुल की ओर नहीं जा सकेंगे। ये शाहमीना तिराहे से बाएं मेडिकल कॉलेज, चौक, कोनेश्वर होकर जा सकेंगे।

- हुसैनाबाद की ओर से आने वाला यातायात हुसैनाबाद (रामगंज) तिराहा से छोटा इमामबाड़ा होकर घंटाघर की ओर नहीं जा सकेंगे। ये हुसैनाबाद तिराहा से तहसीनगंज तिराहा होकर जाएंगे। - चौक चौराहा से खुन-खुन जी गर्ल्स डिग्री कॉलेज होकर सामान्य यातायात नींबू पार्क तिराहा की ओर नही जा सकेगा। यह चौक चौराहा से मेडिकल क्रॉस होकर मेडिकल कॉलेज चौराहा या कोनेश्वर होते हुए जा सकेगा।

- नीबू पार्क फ्लाई ओवर से उतरने वाला यातायात रूमी गेट की तरफ नहीं जाएगा। यह चौक चौराहा, ठाकुरगंज होकर या चरक चैराहा होकर जाएगा।

- मेडिकल क्रॉस चौराहा से कोई यातायात नींबू पार्क की ओर नही जाएगा। यह मेडिकल कॉलेज चौराहा या चौक कोनेश्वर होकर जाएगा।

- शाहमीना तिराहा से पक्कापुल होकर बड़े इमामबाड़े की ओर यातायात नहीं जा सकेगा। यह मेडिकल कॉलेज चौराहा, मेडिकल क्रॉस चौराहा, चौक, कोनेश्वर या डालीगंज पुल चौराहे से दाएं आईटी चौराहा होकर जा सकेगा। - नींबू पार्क से किसी प्रकार का यातायात बड़ा इमामबाड़ा या घंटाघर, छोटे इमामबाड़े को नहीं जा सकेगा। यह मेडिकल क्रॉस चौराहा या बंधा रोड नया पक्का पुल होकर जाएगा।

- ग्रीन कॉरिडोर से आने वाले वाहन नींबू पार्क चौराहा की ओर नहीं जा सकेंगे। ये टीले वाली मस्जिद या नया पक्का पुल पारकर खदरा की ओर होते हुए जाएंगे।

- नक्खास तिराहे से विक्टोरिया स्ट्रीट की ओर सामान्य यातायात नहीं जा सकेगा। यह रकाबगंज पुल, बाजार खाला होकर जा सकेगा।

- मेडिकल क्रॉस चौराहे से यातायात नक्खास तिराहा या फूलमंडी, नींबू पार्क चौराहा की ओर नहीं जा सकेगा।

मुरादाबादः दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर भीषण सड़क हादसा, गर्भवती महिला, मासूम बेटे और साली की मौत, पति घायल

(जीएनएस)।

मुरादाबादः मुरादाबाद के कटघर थाना क्षेत्र में दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर गांगन नदी पुल के पास भीषण हादसा हो गया। हादसे में गर्भवती महिला, उसका मासूम बेटा और साली की मौत हो गई। महिला का पति गंभीर रूप से घायल है।

जानकारी के मुताबिक, संभल के हयातनगर थाना क्षेत्र के सरायतरीन के रहने वाले जुनैद पत्नी सिमरन, 3 साल के बेटे दानियाल और साली मन्तशा के साथ बाइक से जा रहे थे। पीछे से तेज रफ्तार रोडवेज बस ने ओवरटेक करते समय उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार चारों लोग सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए।

मौके पर पहुंची पुलिस

सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने पत्नी सिमरन और बेटे दानियाल को मृत घोषित कर दिया। इलाज के दौरान साली मन्तशा ने भी दम तोड़ दिया। गंभीर रूप से घायल जुनैद का अस्पताल में इलाज जारी है। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई।

इस संबंध में पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लखनऊः स्कूटर मैकेनिक का बेटा शाहरुख, हॉकी चैंपियनशिप जीत कर रचा इतिहास

(जीएनएस)।

लखनऊः फुटपाथ पर स्कूटर और मोपेड ठीक करने वाले तसव्वुर अली के बेटे शाहरुख ने भारत को अंडर-18 हॉकी एशिया कप का खिताब दिलाकर शहर और देश का नाम रौशन कर दिया है. टीम इंडिया चैंपियन बनी तो लखनऊ के राणा प्रताप मार्ग पर जल निगम कार्यालय के बाहर बैठे पिता तसव्वुर की आंखें छलक पड़ीं.

तसव्वर के दो बेटे हैं. बड़ा अमीर और छोटा शाहरुख, आमिर भी भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं, जबकि शाहरुख प्ले खेलते ही अंडर 18 टीम में जगह बना ली. दोनों हॉकी हॉस्टल खेल निदेशालय से जुड़े हैं.

शाहरुख भारतीय अंडर-18 टीम के फॉरवर्ड खिलाड़ी हैं. शनिवार को भारत ने एशिया कप फाइनल जीता. पिता तसव्वुर अली ने फुटपाथ पर मोपेड ठीक करते और पंचर बनाते हुए कभी भी बेटों का हौसला टूटने नहीं दिया.

गरीबी की हालत में ही बेटों को केडी सिंह बाबू सोसायटी में हॉकी सीखने के लिए भेजा. ओलंपियन सैयद अली, सुजीत कुमार और कोच राशिद अजीज ने दोनों भाइयों को तराशा. इसके बाद खेल निदेशालय के स्पोर्ट्स हॉस्टल में दोनों ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी बनने का गौरव प्राप्त किया.

उत्तर प्रदेश के खेल निदेशक आरपी सिंह भी इन दोनों खिलाड़ियों की तारीफ करते हैं और कहते हैं कि निश्चित तौर पर राज्य सरकार की दी गई सुविधाओं का इन लोगों ने भरपूर लाभ उठाया है.

बड़े बेटे आमिर 4 साल पहले 2022 में भारतीय टीम में चुने गए. सुल्तान जोहोर कप चार बार खेले और टीम के कप्तान भी रहे. अब आमिर को यूपी पुलिस में सब इंस्पेक्टर की नौकरी मिलने वाली है. आमिर का सपना है कि पिता को फुटपाथ से हटाकर बड़ी दुकान खुलवा दें.

पिता तसव्वुर कहते हैं कि बेटों की वजह से अब मान-सम्मान मिल रहा है. जीवन में जितना संघर्ष किया, उसका फल अब अल्लाह दे रहा है. उन्होंने बताया कि 40 साल हो गए मुझे गाड़ियों की मरम्मत करते होए, मैं अपने दोनों लड़कों को कभी हॉकी खेलने से नहीं रोका. वह जैसे तैसे जुगाड़ करके हॉकी की व्यवस्था करते थे और खेलते थे. वह अपने लगन से इस मुकाम तक पहुंचे हैं.